MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 22 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-289

रूसी ट्रंप कार्ड

पुतिन के साथ डील का नया दाँव

वाशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अमेरिका में मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म) से कुछ सप्ताह पहले ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में राहत पाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस की ओर रुख किया है। यूक्रेन युद्ध के कारण वाशिंगटन ने कई वर्षों से रूस पर प्रतिबंध लगा रखे हैं, लेकिन अब अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक अस्थायी लाइसेंस जारी किया है, जिसके तहत रूस को अमेरिका और वैश्विक बाजारों में डीजल की आपूर्ति करने की अनुमति मिल गई है। यह फैसला ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद लिया गया।

व्हाइट हाउस का कहना है कि इस कदम से अमेरिकी किसानों, ट्रक चालकों और परिवारों के लिए ईंधन की लागत कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि इस समझौते से रूस को आर्थिक लाभ होगा, जबकि अमेरिकी उपभोक्ताओं को कीमतों में खास राहत मिलने की संभावना स्पष्ट नहीं है।

यह फैसला राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी जनता 3 नवंबर को नई कांग्रेस चुनने की तैयारी कर रही है। बढ़ती महंगाई मतदाताओं की प्रमुख चिंताओं में शामिल है।

ट्रंप के लिए राजनीतिक गणित स्पष्ट है। यदि रूस से पर्याप्त मात्रा में ईंधन की आपूर्ति जल्दी शुरू हो जाती है, तो कीमतों में कमी आ सकती है और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को चुनावी लाभ मिल सकता है। लेकिन यदि आपूर्ति सीमित रहती है या कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो रूस को आर्थिक फायदा मिलने के बावजूद अमेरिकी उपभोक्ताओं को अपेक्षित राहत नहीं मिलेगी।

रूसी डीजल से कितनी मिलेगी राहत?

डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं है। 11 अक्टूबर को अमेरिका में डीजल की औसत कीमत 6.28 डॉलर प्रति गैलन थी, जो एक साल पहले की तुलना में 71 प्रतिशत अधिक बताई गई। ईंधन की कीमतों पर नजर रखने वाली संस्था अमेरिकन ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के अनुसार, 16 अक्टूबर को यह औसत कीमत बढ़कर 6.33 डॉलर प्रति गैलन हो गई।

डीजल का इस्तेमाल माल ढोने वाले ट्रकों, कृषि कार्यों में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टरों और दुनिया भर में सामान पहुंचाने वाले मालवाहक जहाजों में होता है। ऐसे में डीजल महंगा होने से खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं के परिवहन की लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर आम लोगों के घरेलू बजट पर पड़ता है।

22 अक्टूबर को रूस भेजेगा पहली खेप

रूस ने 21 अक्टूबर को कहा कि वह अगले दिन अमेरिका के लिए डीजल की पहली खेप रवाना करेगा। इस खेप में 40,000 मीट्रिक टन ईंधन होने की बात कही गई है। आगे भी खेप भेजने की योजना है, लेकिन सवाल यह है कि क्या मॉस्को इतनी बड़ी मात्रा में डीजल उपलब्ध करा पाएगा, जिससे बाजार की कीमतों में उल्लेखनीय बदलाव आ सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, यदि एक महीने के दौरान आने वाली खेपों से प्रतिदिन लगभग 1.24 लाख बैरल डीजल की आपूर्ति होती है, तो यह वैश्विक स्तर पर डीजल की अनुमानित एक मिलियन बैरल प्रतिदिन की कमी का करीब आठवां हिस्सा ही पूरा कर पाएगी। बाजार विश्लेषण करने वाली कंपनी क्वकेप्लरफ ने वैश्विक कमी का यह अनुमान दिया है। इसके अलावा, रूस की ओर से वादा की गई मात्रा में आपूर्ति की भी कोई गारंटी नहीं है।

भले ही रूसी डीजल अमेरिकी बाजार तक पहुंच जाए, लेकिन थोक कीमतों में गिरावट का मतलब यह नहीं है कि उपभोक्ताओं को तुरंत सस्ता ईंधन मिलने लगेगा। रिफाइनिंग क्षमता, परिवहन खर्च और ईंधन की डिलीवरी में लगने वाला समय तय करेगा कि आम लोगों को कितनी जल्दी राहत मिलती है।

मॉस्को के लिए आर्थिक राहत का रास्ता

अमेरिकी उपभोक्ताओं को इस फैसले से कितना फायदा होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, रूस को इससे तत्काल आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि उसे ईंधन बेचने का ऐसा रास्ता मिल सकता है, जो प्रतिबंधों के कारण बंद हो गया था।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय की ओर से जारी लाइसेंस 7 अप्रैल, 2027 तक वैध रहेगा। यह अवधि प्रतिबंधों में दी जाने वाली सामान्य 30 दिनों की छूट से काफी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद डीजल के मामले में पहली बार छूट की अवधि इस सामान्य समय-सीमा से आगे बढ़ाई गई है।

रिपब्लिकन पार्टी में भी फैसले का विरोध

इस फैसले के विरोध ने ट्रंप की अपनी पार्टी के भीतर मतभेद उजागर कर दिए हैं। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कोलिन्स, लिसा मुर्कोव्स्की, मिच मैककोनेल, जॉन कॉर्निन और थॉम टिलिस ने ▶8 पर

सौरव-रांका की सशर्त रिहाई

फटकार भी दुलार!

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया है। अदालत ने 21 अक्टूबर को दोनों को रिहा करने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने उनकी न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे मंजूरी नहीं दी। दोनों नेताओं को जमानतदार पेश करने और शांति बनाए रखने से जुड़ी शर्तों का पालन करना होगा।दोनों नेताओं को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के मामले में हिरासत में लिया गया था। उन पर बिना अनुमति प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने, बैरिकेडिंग पार करने और पहले दिए गए शांति बांड की शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप थे। 14 अक्टूबर को एसईएम अदालत ने उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया था। 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी। यह अवधि 21 अक्टूबर को समाप्त हो रही थी।

जमानत की शर्तें

50-50 हजार रुपये का निजी मुचलका: दोनों नेताओं ने 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके की शर्त पूरी की। साथ ही, जमानतदार भी पेश किए। निजी मुचलका अदालत को दिया गया भरोसा होता है। यह रकम नकद जमा कराने के बराबर नहीं है।

शांति बनाए रखने का आश्वासन: दोनों ने लिखित आश्वासन दिया कि वे शांति भंग नहीं करेंगे और कानून-व्यवस्था बनाए रखेंगे।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन नहीं बुलाएंगे: दोनों ने भरोसा दिया कि जब तक जंतर-मंतर को कानूनी रूप से दोबारा प्रदर्शन स्थल घोषित नहीं किया जाता, वे वहां प्रदर्शन के लिए लोगों को नहीं बुलाएंगे।

संविधान के दायरे में प्रदर्शन: दोनों ने भविष्य में कोई भी प्रदर्शन संविधान के दायरे में करने का आश्वासन दिया।

हर सुनवाई पर पेश होना होगा: दोनों नेताओं को मामले की हर सुनवाई की तारीख पर अदालत में उपस्थित रहना होगा।

जमानतदारों की जांच: पुलिस को अगली सुनवाई पर जमानतदारों की जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी।

21 अक्टूबर को दोनों नेताओं को फिर एसईएम अदालत में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने उनकी न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग की। अदालत ने यह मांग खारिज कर दी और जमानतदारों के पेश होने तथा लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद उन्हें आगे हिरासत में रखने की जरूरत नहीं मानी। इसके बाद दोनों की रिहाई का आदेश दिया गया।

पहले पहुंचे हाईकोर्ट

एसईएम अदालत में सुनवाई से पहले सौरव दास और आशुतोष रांका ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दोनों ने अपनी हिरासत को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उन्हें एसईएम अदालत में चल रही प्रक्रिया का इंतजार करने और जरूरत पड़ने पर उचित कानूनी मंच पर जाने को कहा। इसके बाद दोनों ने अपनी याचिका वापस ले ली।

मजिस्ट्रेट को धमकी की जांच

इस मामले की सुनवाई कर रहे मजिस्ट्रेट को कथित तौर पर धमकी दिए जाने की बात भी सामने आई थी। रिपोर्टर से मिली जानकारी के मुताबिक, इसके बाद दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।दोनों नेताओं को रिहा करने का आदेश मिलने का मतलब यह नहीं है कि वे मामले में बरी हो गए हैं। यह केवल हिरासत से रिहाई का आदेश है। मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे निर्धारित है। उस दिन पुलिस को जमानतदारों की जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी।

दिपके मंच पर वित्त मंत्री के पतिदेव

सीता विरोधी राम!

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति और जाने-माने राजनीतिक अर्थशास्त्री पराकला प्रभाकर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और अभिनेता-कार्यकर्ता प्रकाश राज के साथ एक मंच साझा करने जा रहे हैं। 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ किया जा रहा है। देशव्यापी प्रदर्शन का आयोजन पीपल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन की ओर से किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में कई कार्यकर्ता, राजनीतिक हस्तियां और जाने-माने लोग एक साथ आएंगे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें।

लोकतंत्र की बहाली के लिए जन मार्च

इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करते हुए सरकार के प्रखर आलोचक रहे पराकला प्रभाकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, हर गली में जंतर-मंतर! शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026। लोकतंत्र की बहाली के लिए जन मार्च। आइए, इस चुनौती का सामना करें।

इस प्रदर्शन में अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके समेत कई कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

कौन हैं पराकला प्रभाकर?

पराकला प्रभाकर ने यूट्यूबर ध्रुव राठी और प्रकाश राज जैसी हस्तियों के साथ 8 अक्टूबर को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था। ▶8 पर

टाईगर का शिकार

हथियारों से रेकी तक जाँच

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर की गई गोलीबारी के मामले की जांच में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। इस मामले में अब तक कुल 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है। जांच में तीन आरोपियों को कथित तौर पर गोली चलाने वाला बताया गया है, जबकि चार अन्य पर हथियारों की व्यवस्था करने में मदद करने का आरोप है। पुलिस आरोपियों के आपसी संपर्क, उनकी गतिविधियों और गोलीबारी की साजिश से जुड़े पहलुओं की पड़ताल कर रही है। इस मामले में हरियाणा के सोनीपत और उत्तर प्रदेश से जुड़े कई लोगों के नाम सामने आए हैं।

जांच से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, हथियारों की व्यवस्था करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार चार लोगों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा था और बाद में मुंबई पुलिस को सौंप दिया। इसके अलावा, आरोपी अंकित और समीर की गिरफ्तारी के बाद सोनीपत के जतिन को भी पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, सभी आरोपियों की सटीक भूमिका और उनके खिलाफ लगे आरोपों की पुष्टि आधिकारिक पुलिस बयान और जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही की जानी चाहिए।

कौन हैं आरोपी?

1. कुणाल, 21 वर्ष ˙ सोनीपत, हरियाणा

कुणाल दसवीं तक पढ़ा है और इस मामले में हथियारों की व्यवस्था करने वाले कथित नेटवर्क से उसका नाम जुड़ा है। जांच के मुताबिक, वह आरोपी सुमित के संपर्क में था। पुलिस अमृतसर से हथियार जुटाने और उन्हें मुंबई पहुंचाने की कड़ी की भी जांच कर रही है। कुणाल की प्रेमिका बताई जा रही राधा को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

2. सुमित, 19 वर्ष ˙ सोनीपत, हरियाणा

सुमित आठवीं तक पढ़ा है और एक कपड़े की दुकान पर काम करता था। उसे कुणाल के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस उसके संपर्कों और इस मामले में उसकी कथित भूमिका की जांच कर रही है। हालांकि, सुमित की मां ने मीडिया से बातचीत में ▶8 पर

मेलोनी लॉ!

माँ-बाप से नुकसान भरपाई

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब पांच साल तक की जेल और करीब 21 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी की घटनाओं के बाद सुरक्षा से जुड़े नए नियमों को मंजूरी दी है। नए नियमों के तहत नाबालिगों की ओर से किए गए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। इसके अलावा, 14 साल से अधिक उम्र के बच्चों के खिलाफ मुकदमा चलाने की प्रक्रिया भी आसान होगी। ▶8 पर

तस्वीरें वायरल, कांग्रेसी बवाल

एपस्टीन संग पुरी

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को लेकर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं ने सवाल उठाए हैं। मामला इसलिए चर्चा में है, क्योंकि पुरी पहले कह चुके हैं कि उनकी एपस्टीन से मुलाकातें प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई थीं और वे उससे कभी अकेले नहीं मिले। तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया पर सवाल किया कि जब पुरी ने कहा था कि वे एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, तो इन तस्वीरों के क्या मायने हैं? टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि पुरी के अनुसार वे तीन-चार बार प्रतिनिधिमंडल के साथ एपस्टीन से मिले थे। ऐसे में तस्वीरों में प्रतिनिधिमंडल के बाकी सदस्य कहां हैं? बताया गया है कि ये तस्वीरें अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी दस्तावेजों के नौवें सेट में शामिल थीं। इस सेट में पुरी और एपस्टीन से जुड़ी कम से कम 11 तस्वीरें होने की बात कही गई है। ये तस्वीरें लगभग एक जैसी हैं और मंगलवार को सोशल मीडिया पर चर्चा में आईं।

अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट पर संबंधित दस्तावेज का लिंक: https://www.justice.gov/epstein/files/DataSet%209/EFTA01191294.pdf

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुंबई पहुंचने और अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जेफ्री एपस्टीन तथा ▶8 पर

मौत साधना!

9 दिन कलेजे पे कलश पड़ा भारी

सुपौल, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक छाती पर कलश रखकर देवी की आराधना करने वाली 35 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नवरात्रि संपन्न होने के अगले दिन महिला की तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टरों ने प्रारंभिक तौर पर शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) और हृदय संबंधी समस्या को संभावित कारण बताया है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है यह मामला त्रिवेणीगंज बाजार ▶8 पर

ओस्लो वार्ता के बाद जेलेंस्की को उम्मीद, रूस से जवाब का इंतजार

जेलेंस्की बोले, यूक्रेन के बारे में कोई फैसला यूक्रेन के बिना नहीं

ओस्लो

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों के साथ ओस्लो में हुई बातचीत के बाद उम्मीद जताई है कि अगले 48 घंटों में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से उनकी फिर चर्चा हो सकती है। वार्ता में सुरक्षा गारंटी, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर विचार किया गया। जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध समाप्त होने के बाद यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी की जरूरत है।

ओस्लो वार्ता के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूबियो के साथ उनकी बातचीत संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा के लिए उपयुक्त माध्यम रही। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन को मिसाइल हमलों से जुड़ी खुफिया जानकारी अब मिल रही है और इससे रूसी हमलों का जवाब देने में मदद मिल रही है। जेलेंस्की की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी खुफिया सहायता में कथित कमी को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद सामने आए थे।

यूक्रेन के बिना नहीं हो सकता कोई समझौता – जेलेंस्की ने स्पष्ट किया कि यूक्रेन के भविष्य से जुड़े किसी भी समझौते में उसके प्रतिनिधियों की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने कहा, यूक्रेन के बारे में यूक्रेन के बिना कुछ नहीं। अमेरिका, चीन और रूस के बीच संभावित त्रिपक्षीय बैठक की खबरों पर उन्होंने कहा कि यदि बातचीत यूक्रेन के भविष्य से संबंधित है, तो कीव को वार्ता की मेज पर होना चाहिए। उन्होंने ओस्लो में हुई चर्चा को रचनात्मक बताया और कहा कि अब रूस की प्रतिक्रिया का इंतजार है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ की रूस के साथ प्रस्तावित बातचीत को इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अगला चरण माना जा रहा है।

यूरोप की भागीदारी पर नार्वे और फिनलैंड का जोर – नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर ने कहा कि वार्ता का उद्देश्य संबंधित पक्षों के बीच संवाद को अधिक रचनात्मक दिशा देना है। उन्होंने जोर दिया कि स्थायी और न्यायपूर्ण शांति के लिए यूक्रेन, रूस, यूरोप और अमेरिका के साथ अन्य प्रमुख देशों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा कि उनका देश और नार्वे बातचीत की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। रूस के पड़ोसी होने के कारण दोनों देश क्षेत्रीय सुरक्षा की चुनौतियों को समझते हैं। स्टब ने कहा कि पिछले सप्ताह के दौरान पर्दे के पीछे काफी प्रगति हुई है और उन्हें उम्मीद है कि शांति प्रक्रिया फिर से पटरी पर आ रही है।

ईरान के मुद्दे पर भी चर्चा – बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी पर भी सवाल उठे, जिसमें उन्होंने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर अत्यधिक दबाव डालने से रूस, ईरान की मदद कर सकता है। जेलेंस्की ने कहा कि उनके आकलन में रूस पहले से ही ईरान की मदद करता रहा है। स्टब ने इस संदर्भ में कहा कि यूक्रेन ने खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करके उनका समर्थन किया है।

न्यूज ब्रीफ

मालदीव के राष्ट्रपति पाकिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचे

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। मालदीव के राष्ट्रपति डा. मोहम्मद मुइज्जू मंगलवार रात यहां पहुंचे। वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए हैं। मालदीव के राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी साजिदा मोहम्मद और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुइज्जू और उनकी पत्नी का आधिकारिक स्वागत किया गया। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर डा. मुइज्जू का आधिकारिक स्वागत किया जाएगा। मालदीव के राष्ट्रपति 20 से 22 अक्टूबर तक पाकिस्तान की राजकीय यात्रा पर हैं।राष्ट्रपति मुइज्जू पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात करेंगे। वह उनके सम्मान में राजकीय भोज भी आयोजित करेंगे। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने पहले बताया था कि दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। साथ ही, वे व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, कृषि, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। वे आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। बयान में कहा गया है, इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान-मालदीव बिजनेस फोरम का भी आयोजन किया जाएगा। मालदीव के किसी राष्ट्रपति की 11 वर्षों में पाकिस्तान की यह पहली राजकीय यात्रा है। प्रवक्ता के अनुसार, यह यात्रा दोनों देशों की उस साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य उनकी द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करना तथा आपसी लाभ वाले सहयोग के नए रास्ते खोलना है।

कंकाल में मिला भाले का निशान, हजारों साल पहले हत्या का अनुमान

बगदाद। वैज्ञानिकों को 75 हजार साल पुराने निएंडरथल कंकाल के कंधे की हड्डी में 15 मिलीमीटर का सुराख मिला है। उत्तरी इराकी कुर्दिस्तान की शनिदार गुफा में मिले कंकाल के सुराख को लेकर वैज्ञानिकों का दावा है कि, यह एक इंसान द्वारा दूसरे इंसान पर लकड़ी के भाले से किए गए जानलेवा हमले का दुनिया का सबसे पुराना सबूत है। यह खोज निएंडरथल समाज में जानलेवा आपसी संघर्ष की मौजूदगी को दर्शाती है, जबकि यह भी बताती है कि वे अपने साथियों की मौत के बाद बेहद सलीके से शवों को दफनाते भी थे। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की अगुवाई वाली टीम ने यह अध्ययन किया है। शनिदार ए नाम दिया गया यह कंकाल लगभग 8 मीटर ऊंचे मलबे और पत्थरों के नीचे बिल्कुल सुरक्षित दबा हुआ मिला था। जब पुरातत्वविदों ने हड्डी की जांच की, तो उसमें 15 मिलीमीटर चौड़ा एक गोल सुराख नजर आया। वैज्ञानिकों ने माइक्रोस्कोप और माइक्रोसीटी स्कैन से हड्डी की जांच की और पाया कि छेद के किनारों पर भरने या ठीक होने का कोई निशान नहीं था, बल्कि छेद के चारों ओर दरारें फैली हुई थीं।

मृत सफेद बौना तारा निगल रहा अपने ही चट्टानी ग्रहों को

वाशिंगटन। पहली बार वैज्ञानिकों ने हरे रंग के तारे की खोज की है। इस तारे को कास्मिक जोम्बी का नाम दिया गया है। अंतरिक्ष में एक मृत सफेद बौना तारा मरने के बाद अपने ही चट्टानी ग्रहों को निगल रहा है, और इसी प्रक्रिया के कारण इसका रंग हरा हो गया है। इस रिसर्च ने सितारों के रंग से जुड़े पुराने नियमों को पूरी तरह बदल दिया है, क्योंकि अब तक माना जाता था कि तारों का रंग मुख्य रूप से उनके तापमान पर निर्भर करता है। डब्लूडी जे1330प्लस 6435 नाम का यह अनोखा तारा धरती से करीब 326 प्रकाश वर्ष दूर मौजूद है। यूनिवर्सिटी आफ वारविक के खगोलविदों की रिसर्च में सामने आया है कि सूरज के आकार वाले तारे मरने के बाद सफेद बौने बन जाते हैं, और अगर यह मृत सितारे अपने पास मौजूद चट्टानी ग्रहों को निगलना शुरू कर दें, तो इनका रंग हरा हो सकता है। इस हरे तारे के वायुमंडल में सोडियम और कैल्शियम की अत्यधिक मौजूदगी ने इसे यह डरावना और अनोखा रंग दिया है। वैज्ञानिकों के लिए सितारों का रंग हमेशा से उनके तापमान का संकेत रहा है; ठंडे तारे नारंगी, मध्यम तारे सफेद और सबसे गर्म तारे हल्के नीले रंग के दिखते हैं। लेकिन नए अध्ययन से पता चला है कि यह मृत तारे हरा, गुलाबी, पीला और बैंगनी रंग भी ले सकते हैं। सफेद बौने तारों के अलग-अलग रंगों के पीछे उनका भारी घनत्व सबसे बड़ी वजह है। जब सूरज के बराबर द्रव्यमान वाले तारों का ईंधन खत्म हो जाता है, तो उनका केंद्र अंदर की तरफ ढह जाता है, जिससे इन मृत तारों का घनत्व सूरज की सतह से लाखों गुना ज्यादा घना हो जाता है।

फ्रांस में विरोध-प्रदर्शनों का सिलसिला आर्थिक चुनौतियां, सरकारी नीतियां

प्रमुख अर्थव्यवस्था के बावजूद बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों का केंद्र बन रहा फ्रांस

पेरिस

फ्रांस दुनिया की एक प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, अक्सर बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों का केंद्र बन जा रहा है। आधुनिक शहरों, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद, सरकारी नीतियों और फैसलों के खिलाफ आम लोगों का आक्रोश बार-बार सड़कों पर नजर आता है। हाल ही में स्कूलों की बदहाली से शुरू हुआ छात्र आंदोलन महंगाई और व्यापक सरकारी नीतियों के खिलाफ एक बड़े विरोध में बदल गया है, जो इस बात पर रोशनी डालता है कि आखिर फ्रांस में कोई भी छोटा मुद्दा कैसे एक विशाल जन आंदोलन का रूप ले लेता है।

इन आंदोलनों के पीछे सिर्फ तात्कालिक महंगाई नहीं, बल्कि लोगों की आर्थिक परेशानियां, सरकारी नीतियों से टकराव और गहरी राजनीतिक अस्थिरता भी है। फ्रांसीसी नागरिकों में यह गहरा विश्वास है कि एकजुट होकर प्रदर्शन करने से सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। मई 1968 का छात्र आंदोलन, जो बाद में 70 लाख से ज्यादा श्रमिकों की हड़ताल में बदल गया और 1995 में पेंशन सुधारों के खिलाफ हुई व्यापक हड़तालें, इसके बड़े उदाहरण हैं। इन घटनाओं ने यह स्थापित किया है कि सामूहिक विरोध की ताकत से सरकार को अपने फैसले बदलने पर मजबूर किया जा सकता है। हालांकि, हर बार सरकार को झुकना पड़े, ऐसा जरूरी नहीं है। एक अमीर देश होने के बावजूद फ्रांस में बड़ी आबादी आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिकि 2024 में करीब 98 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे थे, जो कुल आबादी का 15.4फीसदी है। संपत्ति का असमान वितरण, जहां सबसे अमीर 10फीसदी परिवारों के पास देश की कुल संपत्ति का लगभग आधा हिस्सा है और सबसे गरीब आधे परिवारों के पास केवल 7फीसदी है, आम परिवारों के लिए मुश्किलें बढ़ाता है। ऐसे में जब किराया, बिजली, भोजन और ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं, तो उनका बजट बिगड़ना स्वाभाविक है और फिर उनके पास विरोध करने के अलावा कोई चारा नहीं होता।

ट्रंप की शी और पुतिन से परमाणु निरस्त्रीकरण पर त्रिपक्षीय बैठक की इच्छा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के शी चिनफिंग और रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ त्रिपक्षीय बैठक की अपनी इच्छा दोहरा दी है, इसका मुख्य एजेंडा परमाणु हथियारों का निरस्त्रीकरण होगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यह बैठक रूस-यूक्रेन युद्ध पर केंद्रित नहीं होगी, बल्कि दुनिया के सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक, परमाणु हथियारों को कम करने पर केंद्रित होगी। व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा, मैं यह बैठक करने को तैयार हूं, लेकिन यूक्रेन जंग के लिए नहीं। हम इस बैठक को परमाणु निरस्त्रीकरण पर बात करने के लिए करूंगा। यह टिप्पणी उन खबरों के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि पुतिन ने नवंबर में चीन के शेन्जेन में होने वाले एपेक शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन और अमेरिका के नेताओं की ऐसी बैठक का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, और न ही किसी साझा एजेंडा या समय-सारणी की पुष्टि की गई है। ट्रंप ने कहा कि वह मास्को और बीजिंग, दोनों के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहले भी अमेरिका, रूस और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर किसी समझौते की इच्छा जाहिर की है। ट्रंप ने स्वीकार किया कि चीन का परमाणु भंडार अमेरिका और रूस से कम है, लेकिन वह तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। हालांकि, किसी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा, खासकर चीन के लगातार विरोध के कारण ऐसा होना संभव नहीं है। चीन पहले भी तीन देशों के बीच परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के प्रस्ताव का विरोध कर चुका है। उसका तर्क है कि उसका परमाणु भंडार अमेरिका और रूस से काफी छोटा है, और इसलिए चीन को समान शर्तों पर बातचीत में शामिल करना न उचित है और न ही किसी तरह से व्यावहारिक होगा। पिछले सप्ताह चीन के विदेश मंत्रालय ने फिर इसी रुख को दोहराया था। यह संभावित बातचीत तब सामने आई है जब वैश्विक परमाणु हथियार नियंत्रण समझौतों को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। इस साल की शुरुआत में न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्ट्रोट) समाप्त हो गई, जिसने अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों की संख्या पर कानूनी रूप से लागू सीमाओं को खत्म कर दिया। हथियार नियंत्रण विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इसकी जगह कोई नया समझौता नहीं होता है, तब परमाणु शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो सकती है।

अमेरिका-ईरान जिद पर अड़े, शांति समझौते के आसार कम

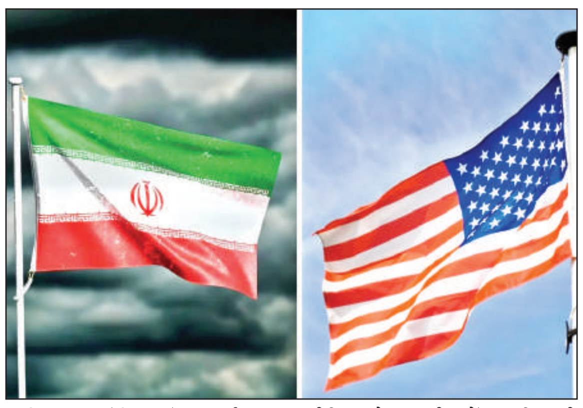

वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान (ईरान)

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब तक तेहरान होमुर्ज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं करता, तब तक उस पर आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि जब तक वाशिंगटन, तेहरान की शर्तें नहीं मान लेता, तब तक स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रुबियो और अराघची ने अपने-अपने देश के मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की। इस बीच अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ का अहम बयान सामने आया है। उनका कहना है कि वाशिंगटन, ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न आएं।

ईरान का यह भी कहना है कि उसका संवर्धित यूरेनियम देश के भीतर ही रहेगा। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की कस्टडी में सौंपने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान के दौरे पर हैं।

ईरानी अधिकारियों का जोर है कि बातचीत फिर से शुरू होने से पहले वाशिंगटन को भरोसा बहाल करना होगा। उन्होंने राजनयिक बातचीत के दौरान अमेरिका के पहले किए गए हमलों और तेहरान के सात-सूत्रीय प्रस्ताव का हवाला दिया। इस बीच, व्हाइट हाउस ने साफ किया कि अमेरिका की तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करने की कोई योजना नहीं है।

काठमांडू की जीवित देवी कुमारी ने किए तलेजु भवानी के दर्शन

काठमांडू। काठमांडू की जीवित देवी कुमारी को काठमांडू के हनुमानढोका स्थित तलेजु भवानी के दर्शन कराए गए। तलेजु भवानी के दर्शन कराने की परंपरा के अनुसार, मंगलवार मध्य रात तांत्रिक और वैदिक विधियों से जीवित देवी कुमारी को तलेजु भवानी के दर्शन कराए गए। ऐसी मान्यता है कि तलेजु भवानी के दर्शन से शक्ति प्राप्त होती है। कुमारी घर के व्यवस्थापक गौतम शाक्य ने बताया कि रथयात्रा के साथ जीवित देवी कुमारी को सुरक्षित रूप से कुमारी घर से तलेजु परिसर तक ले जाया गया। कुमारी को दर्शन कराने के लिए देवी तलेजु भवानी को मंदिर से निकालकर मूल चौक में स्थापित किया गया था।

नेपाल में टीका का पर्व : देवी का प्रसाद ग्रहण करने और बड़ों से आशीर्वाद लेने का विशेष दिन

काठमांडू

नेपाल में विजयादशमी का दिन हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार होने के साथ-साथ पूर्णिमा तक टीका का पर्व भी मनाया जाता है। इसके लिए नेपाल सरकार द्वारा पूर्णिमा तक सरकारी अवकाश देने की परंपरा है। टीका का पर्व नेपाली समाज में देवी की पूजा-अर्चना के बाद घर परिवार समाज में अपनों से बड़े के हाथ से टीका का प्रसाद और आशीर्वाद ग्रहण करने का विशेष दिन भी है।

उपप्राध्यापक डा. नारायणप्रसाद निरौला के अनुसार, विजयादशमी का मूल भाव देवी भगवती का प्रसाद ग्रहण करना और मान्यजनों से आशीर्वाद लेना है। नवरात्र के दौरान की जाने वाली पूजा-अर्चना का समापन दशमी के दिन विसर्जन के साथ होता है। इसके बाद टीका और जमरा ग्रहण करने की परंपरा है।

निरौला ने कहा, विजयादशमी के दिन विशेष रूप से भगवती का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। नवरात्र के दौरान देवी की आराधना से प्राप्त प्रसाद ग्रहण करने के लिए यह उत्तम समय है। उन्होंने बताया कि सप्तमी के दिन फूलपाती से लेकर नवमी तक विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और दशमी के दिन टीका, जमरा तथा प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है।

उनके अनुसार, लाल टीका शक्ति, शुभता और मंगल का प्रतीक है। देवी को लाल रंग प्रिय माना जाता है, इसलिए शक्ति की उपासना की परंपरा में लाल टीका लगाने का चलन है। हालांकि, कुछ समुदायों में स्थानीय और कुल परंपराओं के अनुसार सफेद टीका लगाने की प्रथा भी है। घटस्थापना के दिन बोकर उगाए गए जमरा को भी देवी का प्रिय और पवित्र प्रसाद माना जाता है।

निरौला ने बताया कि विजयादशमी स्वयं में एक शुभ दिन है। इसलिए इस दिन टीका और प्रसाद ग्रहण करने के लिए किसी विशेष मुहूर्त की प्रतीक्षा करना अनिवार्य नहीं है। शास्त्रों में विजयादशमी को सभी कार्यों की सिद्धि के लिए उत्तम समय बताया गया है।

दशैं के दौरान दिए जाने वाले आशीर्वाद का भी विशेष महत्व है। आयुर्द्रोणसुते श्रियो दशरथे, शत्रुक्षयो राघवे, ऐश्वर्यं नहुषे, बलं हलधरे, सत्यञ्च कुन्तीसुते, विज्ञानं विदुरे, कीर्तिश्च नारायणे जैसे आशीर्वचनों के माध्यम से दीर्घायु, समृद्धि, शत्रुओं के नाश, ऐश्वर्य, शक्ति, सत्यनिष्ठा, ज्ञान और कीर्ति की कामना की जाती है।

इस प्रकार, विजयादशमी केवल टीका और जमरा लगाने का त्योहार नहीं है, बल्कि देवी की आराधना का प्रसाद ग्रहण करने, शक्ति एवं शुभता की कामना करने और बड़ों से आशीर्वाद लेने का महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर भी है।

टीका लगाने के बाद घर परिवार के बड़े सदस्य अपने से छोटे सदस्य को टीका लगाने के बाद आशीर्वाद के रूप में फल मिठाई और दक्षिणा देने की भी परंपरा है। हर व्यक्ति यह प्रयास करता है कि वह इन पांच दिनों में अपने सभी रिश्तेदारों, परिजनों के घर पहुंचे और उनसे टीका ग्रहण करे।

अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र के प्रतिबंधित इलाकों से विदेशी पर्यटकों के जरिए जुटा 21.69 करोड़ रुपये का राजस्व

काठमांडू

नेपाल के अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र के प्रतिबंधित इलाकों में अनुमति लेकर घूमने वाले विदेशी पर्यटकों से हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व जुट रहा है। विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिबंधित ऊपरी मुस्तांग और मनांग के नार-फू क्षेत्र में विशेष अनुमति लेकर भ्रमण करने की व्यवस्था है। अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र परियोजना के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में इन प्रतिबंधित इलाकों में घूमने वाले पर्यटकों से प्रवेश शुल्क के रूप में 21 करोड़ 69 लाख 97 हजार 500 रुपये का राजस्व संकलित हुआ।

परियोजना प्रमुख डा. रविन कडरिया ने बताया कि ऊपरी मुस्तांग में 10 दिन के भ्रमण की अनुमति लेने वाले 1,855 पर्यटकों से प्रति व्यक्ति 500 अमेरिकी डालर शुल्क लिया गया। वहीं, एक दिन के भ्रमण पर आने वाले 2,569 पर्यटकों से प्रति व्यक्ति 50 डालर वसूले गए। इसी तरह, मनांग के नार-फू क्षेत्र में सात दिन के भ्रमण की अनुमति लेकर प्रवेश करने वाले 1,338 पर्यटकों से प्रति व्यक्ति 100 डालर के हिसाब से प्रवेश शुल्क संकलित किया गया। प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश का शुल्क आव्रजन कार्यालय के माध्यम से वसूला जाता है। परियोजना प्रमुख के अनुसार, इस मद से प्राप्त राजस्व संघीय सरकार के खाते में जमा होता है।

प्रतिबंधित क्षेत्रों में भ्रमण करने वाले विदेशी पर्यटकों से प्रवेश शुल्क के रूप में वित्त वर्ष 2025/26 में 30 करोड़ 17 लाख 52 हजार रुपये और वित्त वर्ष 2024/25 में 23 करोड़ 89 लाख 66 हजार रुपये का राजस्व संकलित हुआ था। सरकार ने तिब्बत से सीमा साझा करने वाले क्षेत्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है।

ऊपरी मुस्तांग और मनांग के नार-फू क्षेत्र में अधिकतर पर्यटक ट्रेकिंग के लिए जाते हैं। प्रतिबंधित क्षेत्रों के अलावा अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र में प्रवेश करने वाले विदेशी पर्यटकों से पिछले वित्त वर्ष में 67 करोड़ 75 लाख 90 हजार 986 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

परियोजना कार्यालय के अनुसार, दक्षिण एशियाई देशों के पर्यटकों से 1,000 रुपये और अन्य देशों के पर्यटकों से 3,000 रुपये (वैट सहित) प्रवेश शुल्क लिया जाता है। पिछले वित्त वर्ष में इस क्षेत्र में अब तक की सबसे अधिक संख्या में विदेशी पर्यटक पहुंचे, जिससे प्रवेश शुल्क से होने वाली आय में भी वृद्धि हुई। पिछले वित्त वर्ष में दक्षिण एशियाई देशों से 3 लाख 84 हजार 145 और अन्य देशों से 1 लाख 24 हजार 331 पर्यटक आए। इस तरह कुल 5 लाख 8 हजार 476 विदेशी पर्यटकों ने अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र का भ्रमण किया। इनमें सबसे अधिक 3 लाख 75 हजार 797 पर्यटक भारतीय थे।

पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ ही प्रवेश शुल्क से होने वाली आय भी पिछले वित्त वर्ष में अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। वित्त वर्ष 2025/26 में पर्यटकों के प्रवेश शुल्क से कुल 46 करोड़ 48 लाख 81 हजार 484 रुपये और वित्त वर्ष 2024/25 में 38 करोड़ 94 लाख 61 हजार 483 रुपये संकलित हुए थे। परियोजना कार्यालय के अनुसार, पर्यटक शुल्क सहित अन्य स्रोतों से प्राप्त आय का उपयोग संरक्षण गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों पर किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालांकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अक्टूबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 02:49 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 08:49 तक
योग : वृद्धि रात्रि 11:39 तक
करण : विष्टि दोपहर 02:49 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:42 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पापांकुशा एकादशी व्रत , भद्रा दोपहर 02:49 तक , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पुलिस स्मृति दिवस समारोह आयोजित

फ्यूचर सिटी, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी पुलिस कमीश्नरेट में बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नवनिर्मित मुख्यालय में औपचारिक परेड के साथ पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी, आईपीएस, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती जी. चंदना दीप्ति, आईपीएस, डीसीपी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिसकर्मी तथा पुलिस शहीदों के परिजन इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

समारोह में 26 सदस्यीय पुलिस परेड टुकड़ी, 16 सदस्यीय पुलिस बैंड और पांच सदस्यीय पुस्तक टोली (4+1) ने भाग लिया।पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी ने शहीदों के साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्र एवं नागरिकों की रक्षा में उनके समर्पण से पुलिस बल सदैव प्रेरणा लेता रहेगा।

उन्होंने शहीदों के परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली तथा आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। शहीदों के बलिदान के सम्मान में उन्होंने परिजनों को गुलदस्ते भेंट किए।परेड में भाग लेने वाले पुलिसकर्मियों के अनुशासन एवं समर्पण की सराहना करते हुए आयुक्त ने उन्हें नकद पुरस्कार भी प्रदान किए।

पुलिस स्मृति दिवस प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए 10 भारतीय पुलिसकर्मियों के बलिदान की याद दिलाता है तथा देशभर में कर्तव्य पथ पर शहीद हुए पुलिसकर्मियों को सम्मानित करता है।

इस अवसर पर शादनगर जोन डीसीपी श्रीमती छ. सिरीषा, महेश्वरम् जोन डीसीपी श्री के. नारायण रेड्डी, आईपीएस, फ्यूचर सिटी ट्रैफिक डीसीपी श्री शिवम उपाध्याय, आईपीएस, अतिरिक्त डीसीपी श्री जहांगीर, स्पेशल ब्रांच एसीपी श्री एम. हुसैनी नायडू, सीएआर मुख्यालय एसीपी श्री अरुण कुमार, शादनगर एसीपी श्री एस. लक्ष्मीनारायण तथा इब्राहिमपट्टनम एसीपी श्री के.पी.वी. राजू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह कर रहा मानव सेवा : सोहनलाल दायमा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य सोहनलाल दायमा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह समाज के सभी वर्गों के लोगों की सेवा कर रहा है। ग्रुप के सदस्य जिस निस्वार्थ भावना, समर्पण और आपसी सहयोग के साथ नियमित रूप से सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान देना चाहिए, क्योंकि सामूहिक सहयोग से ही सेवा के संकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

सोहनलाल दायमा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके सदस्य एक परिवार की तरह मिल-जुलकर कार्य करते हैं। यहां सेवा को केवल एक सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य के रूप में देखा जाता है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना, उनके प्रति संवेदना रखना और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करना ऐसे कार्य हैं, जिनका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तब सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि अन्न-सेवा भारतीय संस्कृति और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। हमारे धर्म और परंपराएं सदैव जरूरतमंदों की सहायता, भूखे को भोजन कराने और पीड़ित मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देती हैं। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके प्रति सम्मान, संवेदना और अपनत्व व्यक्त करना भी है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें किसी प्रकार का स्वार्थ न हो और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति समान भाव रखा जाए। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना को आत्मसात करते हुए नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से समाज में मानवता का संदेश प्रसारित कर रहा है।

कार्यक्रम में कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी केडिया, भगत राम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जगत गुप्ता, भाकराम , कमला देवी, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल और प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर अन्नसेवा कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। सदस्यों की सामूहिक उपस्थिति और सहयोग से सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दिखाई दी। कार्यक्रम के माध्यम से एक बार फिर यह संदेश दिया गया कि जब समाज के लोग एक उद्देश्य के साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो सेवा का प्रभाव अधिक व्यापक होता है और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होता है।

नवपद स्मरण करते रहने से सब प्रकार से सुख शांति की प्राप्ति : हितेशमुनिजी

जीवन में जैसी जिसकी पात्रता होती उसे वैसा ही प्राप्त होता है : सचिनमुनिजी

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नवपद का निरंतर स्मरण करने से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति होती है तथा जिनवाणी के निकट रहने से व्यक्ति संसार की कठिनाइयों से दूर रह सकता है। धर्म के मार्ग पर चलकर ही मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। ये विचार प्रज्ञारत्न हितेशमुनिजी म.सा. ने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, खैरताबाद एवं श्री मरूधर केसरी रूप सुकन चातुर्मास समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में पूज्य मुकेशमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में बुधवार को आयोजित प्रवचन में व्यक्त किए।

नवपद आयम्बिल ओली आराधना के अंतर्गत हितेशमुनिजी म.सा. ने श्रीपाल-मैनासुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए श्रीपाल के जीवन प्रसंगों का वर्णन किया। नवपद आयम्बिल ओली का समापन 26 अक्टूबर को होगा तथा तपस्वियों का सामूहिक पारणा 27 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र की 27 दिवसीय आराधना के आठवें दिन सचिनमुनिजी म.सा. ने 11वें अध्याय ङ्खबहुश्रुत पूजाफ का वाचन किया। उन्होंने कहा कि बहुश्रुत व्यक्ति ज्ञान से परिपूर्ण होता है और स्वयं के साथ दूसरों का कल्याण करने में भी सक्षम होता है। जीवन में जैसी पात्रता होती है, वैसी ही प्राप्ति होती है। व्यक्ति को अभिमान, क्रोध, प्रमाद और आलस्य से बचते हुए इंद्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए तथा मित्रता निभाने और शांत स्वभाव अपनाने का प्रयास करना चाहिए। धर्मसभा में सेवारत्न हरीशमुनिजी म.सा. का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ।

धर्मसभा में अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयम्बिल और एकासन के प्रत्याख्यान लिए। विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने गुरुदर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। खैरताबाद श्रीसंघ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीसंघ के चेयरमैन नवरत्नमल गुन्देचा, अध्यक्ष शांतिलाल भलगट, कार्याध्यक्ष धर्मीचंद बोहरा, उपाध्यक्ष शांतिलाल गांधी एवं प्रकाशचंद सेहलोत, मंत्री भरतकुमार झारमुथा, प्रचार-प्रसार मंत्री राहुलकुमार मुणोत, चातुर्मास समिति संयोजक सोहनलाल गुगलिया सहित माणकचंद पोखरना, अनिलकुमार चाणोदिया, किशनलाल टपरावत, रिखबचंद मुणोत, गौतमचंद गुगलिया, नितिनकुमार डांगा और महावीरचंद चाणोदिया उपस्थित रहे।आयम्बिल ओली तप के लाभार्थी हब्सीगुड़ा, हैदराबाद के नथमल, जगदीशमल, श्रीपाल एवं महिपाल भंडारी परिवार (मरूधर में बुसी) रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीसंघ के महामंत्री रणजीतमल गुन्देचा ने किया। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना के बाद सुबह 9 बजे से मुनिवृंद के प्रवचन हो रहे हैं।

मातृ-पितृ वंदनावली 1 नवंबर को

चातुर्मासिक आयोजनों के अंतर्गत 1 नवंबर को खैरताबाद श्रीसंघ के तत्वावधान में पूज्य मुकेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में मातृ-पितृ वंदनावली कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पद्मशाली संगम के बांसवाड़ा डिवीजन अध्यक्ष सम्मानित

बांसवाड़ा, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पद्मशाली संगम के बांसवाड़ा डिवीजन अध्यक्ष चुने गए जेंट्याला बालकृष्ण को बुधवार को विभिन्न नेताओं ने सम्मानित किया। बांसवाड़ा म्युनिसिपल को-ऑप्शन सदस्य कसुला रोहित, 13वें वार्ड के पार्षद खालेक, को-ऑप्शन सदस्य गौस, बांसवाड़ा पद्मासली संगम के सदस्यों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने बालकृष्ण को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर जेंट्याला बालकृष्ण ने उन्हें डिवीजन अध्यक्ष चुनने के लिए पद्मासली जिला नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सम्मानित करने के लिए संगम के नेताओं और सदस्यों का भी धन्यवाद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बांसवाड़ा डिवीजन में पद्मासली समुदाय को मजबूत बनाने तथा समाज की समस्याओं के समाधान के लिए वे पूरी कोशिश करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, समुदाय के सदस्य और अन्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस शहीदों की कुर्बानी हमेशा प्रेरणादायी : अंबर किशोर झा

कानून-व्यवस्था से ही समाज का विकास संभव : कलेक्टर कुमार दीपक

पेद्दापल्ली, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में बुधवार को पुलिस शहीद स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा, मंचेरियल जिला कलेक्टर कुमार दीपक, पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी सहित अन्य अधिकारियों और शहीदों के परिजनों ने स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अतिरिक्त डीसीपी (प्रशासन) के. श्रीनिवास ने ड्यूटी के दौरान शहीद हुए देशभर के 154 पुलिसकर्मियों के नाम पढ़कर सुनाए। इसके बाद सशस्त्र पुलिस बल ने शोक परेड आयोजित की और उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखा।पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने कहा कि 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सेना के हमले का बहादुरी से मुकाबला करते हुए सीआरपीएफ के जवान शहीद हुए थे। उनकी स्मृति में हर वर्ष पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि जनता की जान-माल की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की मुख्य जिम्मेदारी है। प्रत्येक पुलिसकर्मी को ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि समाज में शांति और सद्भाव से ही विकास संभव है। पुलिसकर्मी वर्षभर 24 घंटे जनता की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उन्होंने नागरिकों से कानूनों और यातायात नियमों का पालन करने तथा पुलिस का सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में गोदावरीखनी एसीपी एम. रमेश, अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और शहीदों के परिजन उपस्थित थे।

बांसवाड़ा में भव्य रावण दहन

बांसवाड़ा, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयदशमी के अवसर पर तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने अपने परिवार के साथ शहर के प्रोफेसर जयशंकर मिनी स्टेडियम में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम देखा। कार्यक्रम में डीसीसीबी के पूर्व चेयरमैन पोचाराम भास्कर रेड्डी, पोचाराम सुरेंदर रेड्डी और नगर पालिका चेयरपर्सन कसुला विजया शामिल हुए। रावण दहन देखने के लिए बांसवाड़ा शहर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रावण दहन के साथ ही पूरा मिनी स्टेडियम उत्साह और उल्लास से गूंज उठा।

मंदिर में फूलों से सजावट करने वाले दानदाता सम्मानित

बांसवाड़ा, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवी शरण नवरात्रि उत्सव के दौरान बांसवाड़ा शहर के भगंगा स्थित कोटादुर्गम्मा अम्मावरी मंदिर को प्रतिदिन फूलों से आकर्षक ढंग से सजाने वाले दानदाता मक्कला महेश को मंदिर समिति ने सम्मानित किया। समिति के सदस्यों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और देवी का चित्र भेंट किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मंचेरियाल में तनाव, जगनमोहन के घर पर पुलिस बल तैनात

मंचेरियाल, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में कांग्रेस के दो गुटों के बीच विवाद के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगनमोहन राव के घर पर हमले की साजिश की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उनके घर के चारों ओर भारी बल तैनात कर दिया। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा के आदेश पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने बाईपास रोड पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। पूरे मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र में धारा 144 लागू किए जाने की जानकारी सामने आई है।

विवाद की शुरुआत रविवार रात दंडेपल्ली मंडल के तल्लापेट गांव में बथुकम्मा उत्सव के दौरान पटाखे जलाने को लेकर हुई। आरोप है कि कांग्रेस नेता आकुला दुर्गाप्रसाद द्वारा महिलाओं के पास पटाखे जलाने पर सरपंच कुर्सिंग कलावती और अन्य महिलाओं ने आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। सूचना मिलने पर लक्सेटिपेट सर्किल इंस्पेक्टर रमणामूर्ति तथा संबंधित थानों के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस दौरान सर्किल इंस्पेक्टर ने सरपंच कलावती के साथ मारपीट की। इसके विरोध में ग्रामीणों ने मंचेरियल-निर्मल मुख्य मार्ग पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया।

इसी बीच, मंचेरियल निर्वाचन क्षेत्र के लक्सेटिपेट मंडल के लक्ष्मीपुर गांव में प्रेमसागर राव और मंत्री विवेक के समर्थक गुटों के बीच मारपीट की घटना सामने आई। बताया गया कि दोनों पक्षों ने बोतलों से एक-दूसरे पर हमला किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। तल्लापेट में कुछ नेताओं को उनके घरों में रोके जाने की भी चर्चा है। पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

राकेश रेनवा बने भाजपा जिला प्रवक्ता

मंचेरियाल, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने राकेश रेनवा को मंचेरियाल जिला प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रदेश उपाध्यक्ष वेराबल्ली रघुनाथ के नेतृत्व में की गई। रेनवा ने प्रदेश उपाध्यक्ष वेराबल्ली रघुनाथ, जिला अध्यक्ष वेंकटेश्वर गौड़, प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, प्रदेश प्रवक्ता तुला आंजनेयुलु और जिला समन्वयक पल्ली राकेश सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।

मदनूर में धूमधाम से मनाई विजयादशमी

मदनूर, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र के येल्लम्मा मंदिर परिसर में मंगलवार, 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। सरपंच उषा संतोष मेस्त्री के नेतृत्व में आर्य समाज मंदिर से येल्लम्मा मंदिर तक बैंड-बाजे और ध्वजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। सरपंच ने ग्रामवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद रावण दहन किया गया। लोगों ने एक-दूसरे को शमी के पत्ते भेंट कर पर्व की बधाई दी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बंदोबस्त किया गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी

सृष्टि की रचना करने वाले ब्रह्मा जी विश्व के आद्य सृष्टा, प्रजापति, पितामह तथा हिरण्यगर्भ हैं। परमार्थ की राह पर चलने वालों पर वह शीघ्र प्रसन्न होते हैं। ब्रह्मा जी की उपासना से लंबी आयु, आध्यात्मिक उन्नति तथा सभी प्रकार के ऐश्वर्यों की प्राप्ति होती है...

चराचर जगत के सृजनकर्ता ब्रह्माजी हैं। सृष्टि का कार्य भार प्रमुख रूप से त्रिदेवों ब्रह्मा-विष्णु-महेश द्वारा संचालित किया जाता है। इनमें ब्रह्मा जी विश्व के आद्य सृष्टा, प्रजापति, पितामह तथा हिरण्यगर्भ हैं। पुराणों में ब्रह्मा जी का जो रूप वर्णित है, वह वैदिक प्रजापति के रूप का विकास है। विष्णु पुराण के अनुसार, ब्रह्मा जी की उत्पति क्षीर सागर में शेषनाग पर विराजमान विष्णु भगवान के नाभि कमल से हुई। इसलिए वह स्वयंभू कहलाते हैं। तपस्या के पश्चात इन्होंने ब्रह्माण्ड की रचना की थी। वास्तव में सृजन ही ब्रह्मा जी का मुख्य कार्य है।

ब्रह्म पुराण में ब्रह्मा जी का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञानस्वरूप, परमेश्वर, महान तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अंतरात्मा बतलाए गए हैं। समस्त कला और विद्या इन्होंने ही प्रकट की। वह त्रिगुणात्मक माया से युक्त ब्रह्म हैं तथा सारा ब्रह्माण्ड इन्हीं से निकला है।

स्वयंभू ब्रह्मः महाप्रलय के पश्चात भगवान नारायण दीर्घकाल तक योगनिद्रा में रहे। योगनिद्रा से जागने के बाद उनकी नाभि से एक दिव्य कमल प्रकट हुआ,जिसकी कणिकाओं पर स्वयंभू ब्रह्मा जी प्रकट हुए। उन्होंने अपने नेत्रों को चारों ओर घुमाकर शून्य में देखा। इस चेष्टा से चारों दिशाओं में उनके चार मुख प्रकट हो गए। जब चारों ओर देखने पर उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया, तब उन्होंने सोचा इस कमल पर बैठा हुआ मैं कौन हूं? मैं कहां से आया हूं तथा यह कमल कहां से निकला है। दीर्घकाल तक तप करने के पश्चात ब्रह्माजी को शेष शैय्या पर सोए हुए भगवान विष्णु के दर्शन हुए। अपने समान परम पुरुष का दर्शन करके उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई और उन्होंने भगवान विष्णु की स्तुति की। भगवान विष्णु ने ब्रह्माजी से कहा कि अब आप तप शक्ति से सम्पन्न हो गए हैं। अतः आप सृष्टि का निर्माण कीजिए।

ब्रह्माजी के चार मुख हैं। वह अपने चारों हाथों में क्रमशः वरमुद्रा, अक्षरसूत्र, वेद तथा कमण्डल धारण किए हैं।

भगवान विष्णु की प्रेरणा से उन्होंने सम्पूर्ण प्रजा की सृष्टि की। इसलिए वह प्रजापतियों के भी पिता कहे जाते हैं। मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलत्स्य, पुलह, क्रतु, भृगु, वशिष्ठ, दक्ष तथा कर्दम ये दस मुख्य प्रजापति ब्रह्मा जी से उत्पन्न हुए हैं। भगवतादि पुराणों के अनुसार, भगवान रुद्र भी ब्रह्मा जी के ललाट से उत्पन्न हुए। मानव सृष्टि के मूल महाराज मनु उनके दक्षिण भाग से तथा वाम भाग से शतरूपा की उत्पत्ति हुई।

पितामह ब्रह्माः सभी देवता ब्रह्मा जी के पुत्र हैं। अतः वह पितामह के रूप में भी जाने जाते हैं। यूं तो ब्रह्मा जी देवता, दानव, तथा सभी जीवों के पितामह हैं। फिर भी वह विशेष रूप से धर्म के पक्षपाती हैं। इसलिए जब देवासुरादि संग्रामों में पराजित होकर देवता ब्रह्मा जी के पास आते हैं, तो ब्रह्मा जी धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु को पारित करते हैं। अतः भगवान विष्णु के प्रायः चौबीस अवतारों में यही निमित्त बनते हैं। शैव और शाक्त आगमों की भांति ब्रह्मा जी की उपासना का भी एक विशिष्ट संप्रदाय है, जो वैखानस सम्प्रदाय के नाम से प्रसिद्ध है। इस वैखानस की सभी सम्प्रदायों में मान्यता है। पुराणादि सभी शास्त्रों के यही आदि वक्ता माने गए हैं। ब्रह्मा जी की प्रायः अमूर्त उपासना ही होती है। सर्वतोभद्र, लिंगतोभद्र आदि चक्रों में उनकी पूजा मुख्य रूप से होती है। किन्तु मूर्तरूप में मन्दिरों में उनकी पूजा पुष्कर क्षेत्र तथा ब्रह्मर्वत क्षेत्र (बिठुर) में होती है। देवताओं और असुरों में इनकी पूजा व्यापक रूप से होती है। विप्रचिति, तारक, हिरण्यक्षिप, रावण गजासुर, त्रिपुर आदि असुरों ने ब्रह्माजी की ही अराधना की।

ब्रह्माजी का स्वरूपः मत्स्य पुराण के अनुसार ब्रह्माजी के चार मुख हैं। वह अपने चारों हाथों में क्रमशः वरमुद्रा, अक्षरसूत्र, वेद तथा कमण्डल धारण किए हैं। वह कमल पर विराजते हैं। उनके वस्त्र सफेद रंग के हैं। उनका प्रिय वाहन हंस है। उन्होंने लोकहित के लिए अपने मानस पुत्रों को प्रकट किया। मन से मारिचि, नेत्र से अग्नि, मुख से अंगीरस, कान से पुलत्स्य, नाभि से प्रलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कर्दम, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनत कुमार, शरीर से मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि प्रकट हुए।

ब्रह्मा पूजन से लाभः ब्रह्माजी सत्वगुणी हैं। परमार्थ की राह पर चलने वालों पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी उपासना से लंबी आयु, आध्यात्मिक उन्नति तथा सभी प्रकार के ऐश्वर्यों की प्राप्ति होती है।

वास्तु

पश्चिम दिशा में रख डाइनिंग टेबल

सुखमय जीवन के लिए वास्तु शास्त्र का महत्व किसी से छिपा नहीं है। ऐसी मान्यता है कि अगर घर में सभी चीजें वास्तु शास्त्र के अनुरूप हो तो घर में सुख और शांति का वास होता है। किचन में भी इनसे संबंधित शास्त्रों में कुछ ऐसे छोटे-छोटे उपायों का वर्णन मिलता है, जिन्हें करने से शीघ्र लाभ होता है। आइए जानें ये छोटी बातें क्या है:

- किचन में गैस बर्नर, चूल्हा, स्टोव या हीटर दीवार से लगभग तीन इंच की दूरी पर रखना चाहिए।
- किचन में भारी समान, गैस सिलेंडर, बरतन आदि दक्षिण दिशा की दीवार की ओर ही रखें।
- माइक्रोवेव, ऑवन, मिक्सर, ग्राइंडर आदि दक्षिण दीवार की ओर ही रखने चाहिए।
- रैफ्रिजरेटर आग्नेय यानी दक्षिण, पश्चिम और उत्तरी दिशा में रखें। भूल कर भी इसे नैऋत्य कोण में ना रखें। वरना इनके खराब होने की संभावना अधिक हेगी।
- अगर आप भोजन कहीं और करती हैं, तो इसकी व्यवस्था किचन में करें। आप अपना डाइनिंग टेबल पश्चिम दिशा की ओर रख सकती हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार यह एकदम सही होगा।

प्रकृति में छुपे ग्रह शांति के उपाय

प्रकृति ईश्वर की सबसे सदुंर कृति है। हरियाली, पड़े-पौधे, जीव-जंतु सभी इसका हिस्सा हैं। इन्हें संतुष्ट कर हम अपने ग्रहों को शांत कर सकते हैं ताकि वे हमारी प्रगति में सहायक हों। जानते हैं किन ग्रहों को किन उपायों से कर सकते हैं शांत।

प्रकृति हमें परोपकार का पाठ पढ़ाती है। ईश्वर ने इस सृष्टि में प्रत्येक जीव को कुछ न कुछ परोपकार के लिए भेजा है। मानव होते हुए भी हम यह भूल जाते हैं, परंतु प्रकृति हमें देना कभी नहीं भूलती। हमारा जीवन प्रकृति पर ही निर्भर है। साथ ही जन्म कुंडली में स्थित ग्रहों का शुभ फल प्राप्त कराने में भी प्रकृति हमारी सहयोगी है। आइए, जानते हैं किस प्रकार हम इन पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं की सहायता से अपनी कुंडली के ग्रहों के शुभफल में और अधिक सुधार कर सकते हैं।

सूर्य : सूर्य ग्रह की शांति और उसे बलवान बनाने के लिए जपाकुसुम के फूलों की माला बनाकर हर रविवार को नियम से शिवजी को पहनाएं। इससे वर्चस्व एवं आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। पिता समान व्यक्ति को लाल फल भेंट करना चाहिए। प्रत्येक रविवार सुबह घोड़े को भीगे चने की दाल खिलानी चाहिए। ऊर्जा का प्राकृतिक स्रोत सूर्य है। अतः रोजाना सूर्य नमस्कार करना चाहिए।

चंद्रमा : सोमवार प्रदोषकाल में गाय के दूध से शिवजी का 'ॐ सोमाय नमः' मंत्र के साथ अभिषेक करें। गरीब महिला को दूध और सफेद वस्तु दान करें। खरगोश को मूली खिलाएं।

मंगल : गुड़ की रोटी प्रत्येक मंगलवार लाल गाय को खिलाएं। लाल फूलों की माला बनाकर देवी प्रतिमा को पहनाएं। लाल कनेर के 108 फूलों से मां दुर्गा की पूजा करें। गुड़हल का पेड़ घर में लगाएं। रत्नों में मूंगा जो प्राकृतिक रूप से समुद्री प्रवाल होता है, उसका दान किसी युवा ब्राह्मण को मंगलवार के दिन करना लाभकारी होता है। कुंडली में यदि मांगलिक दोष है तो प्रतिदिन तुलसी के पौधे की पूजा करें, जल चढ़ाएं। मगर, बुधवार और रविवार को तुलसी को नहीं छुएं। तुलसी के पौधे वितरित करें।

बुद्ध ग्रह से पीड़ित व्यक्ति को अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपने से राहत मिलती है।

बुध : बुध ग्रह से पीड़ित व्यक्ति को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने चाहिए। साथ ही घर में भी छोटा बगीचा बनाएं। प्रत्येक बुधवार गणेश जी को 21, 41, 108 दूर्वा यथाशक्ति चढ़ाएं। प्रतिदिन कम से कम तीन इलायची का सेवन करें। मेहंदी और इलायची का पौधा घर में लगाएं। प्रत्येक बुधवार यदि हो सके तो हाथी के दर्शन कर केला खिलाएं। मेहंदी का दान करें।

गुरु : गुरु को बलवान करने के लिए सबसे प्रभावी उपाय है गुरुवार को केले के पेड़ की पूजा कराना। हल्दी युक्त जल समर्पित करें। बरगद के पेड़ में हर गुरुवार हल्दी युक्त कच्चा दूध चढ़ाएं। यदि संभव हो तो केले की जड़ गुरु-पुष्य योग में अपनी दाहिनी बांह पर बांधें। ये व्यापार की वृद्धि में सहायक होगा। पीली कदली के पुष्पों को घर में लगाएं और गरीबों को पीली वस्तु और पुस्तकें दान करें।

शुक्र : जीवन में प्रसन्नता और वैभव की वृद्धि के लिए शुक्र ग्रह को बलवान बनाना आवश्यक है। इसके लिए प्रत्येक शुक्रवार सुगंधित फूलों से महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें। इत्र का दान करें एवं सफेद गाय को चावल खिलाएं। सफेद कनेर के पुष्पों की माला तथा कमल के पुष्पों को लक्ष्मीनारायण भगवान को अर्पित करें। सफेद और हल्के रंग वाले फूलों के पौधे घर में लगाएं। आंवले के पेड़ की पूजा करें और प्रत्येक शुक्रवार आंवले की पत्ती लक्ष्मी जी को चढ़ाएं।

शनि : यदि सरकारी नौकरी पाने की इच्छा है तो शनि ग्रह को पक्ष में करना जरूरी है। प्रत्येक शनिवार पीपल के पेड़ के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाएं। शकर और जल का मिश्रण पीपल की जड़ में चढ़ाएं। पीपल के पेड़ की पूजा से शनि पीड़ा शांत होती है। प्रतिदिन पीपल की पूजा करें लेकिन बुधवार और रविवार को पीपल को नहीं छुएं। कौवे और काले कुत्ते को गुड़ वाली तेल की रोटी खिलाएं। काली गाय को हर शनिवार उड़द की दाल भिगोकर खिलाएं।

राहु-केतु : राहु और केतु ग्रह से पीड़ित व्यक्ति को रोजाना कबूतरों को बाजरा और काले तिल मिलाकर खिलाना चाहिए। कुष्ठ रोगियों को दो रंग वाली वस्तुओं का दान करें। मोरपंख की पूजा करें या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखें। गिलहरी को दाना डालें। दो रंग के फूलों को घर में लगाएं और गणेश जी को अर्पित भी करें। हर मंगलवार या शनिवार को चीटियों को मीठा खिलाएं।

इन उपायों से मनुष्य अपनी भागती-दौड़ती जिंदगी में सुख और शांति ला सकता है। बस मन में श्रद्धा और सकारात्मक सोच होनी चाहिए, जिससे वह सदैव ऊर्जावान बना रहे।

सोये ग्रह के लिये उपाय

लाल किताब के अनुसार जिस घर में कोई ग्रह न हो तथा जिस घर पर किसी ग्रह की नजर नहीं पड़ती हो उसे सोया हुआ घर माना जाता हैं।

लाल किताब का मानना है जो घर सोया (Lal Kitab Sleepy Planets) होता है उस ग्रह से सम्बन्धित फल तब तक प्राप्त नहीं होता है जबतक कि वह घर जागता नहीं है। लाल किताब में सोये हुए घरों को जगाने के लिए कई उपा बताए गये हैं।

जिन लोगों की कुण्डली में प्रथम भाव सोया हुआ हो उन्हें इस घर को जगाने के लिए मंगल का उपाय करना चाहिए। मंगल का उपाय करने के लिए मंगलवार का व्रत करना चाहिए। मंगलवार के दिन हनुमान जी को लड्डुओं का प्रसाद चढ़ाकर बांटना चाहिए। मूंगा धारण करने से भी प्रथम भाव जागता है।

अगर दूसरा घर सोया हुआ हो तो चन्द्रमा का उपाय शुभ फल प्रदान करता है। चन्द्र के उपाय के लिए चांदी धारण करना चाहिए। माता की सेवा करनी चाहिए एवं उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। मोती धारण करने से भी लाभ मिलता हैं।

तीसरे घर को जगाने के लिए बुध का उपाय करना लाभ देता है। बुध के उपाय हेतु दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। बुधवार के दिन गाय को चारा देना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार किसी व्यक्ति की कुण्डली में अगर चौथा घर सोया हुआ है तो चन्द्र का उपाय करना लाभदायी होता हैं।

पांचवें घर को जागृत करने के लिए सूर्य का उपाय करना फायदेमंद होता है. नियमित आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ एवं रविवार के दिन लाल भूरी चीटियों को आटा, गुड़ देने से सूर्य की कृपा प्राप्त होती है।

छठे घर को जगाने के लिए राहु का उपाय करना चाहिए। जन्मदिन से आठवां महीना शुरू होने पर पांच महीनों तक बादाम मन्दिर में चढ़ाना चाहिए, जितना बादाम मन्दिर में चढाएं उतना वापस घर में लाकर सुरक्षित रख दें। घर के दरवाजा दक्षिण में नहीं रखना चाहिए। इन उपायों से छठा घर जागता है क्योंकि यह राहु का उपाय है। सोये हुए सातवें घर के लिए शुक्र को जगाना होता है। शुक्र को जगाने के लिए आचरण की शुद्धि सबसे आवश्यक है। सोये हुए आठवें घर के लिए चन्द्रमा का उपाय शुभ फलदायी होता है।

जिनकी कुण्डली में नवम भाव सोया हो उनहें गुरूवार के दिन पीलावस्त्र धारण करना चाहिए। सोना धारण करना चाहिए व माथे पर हल्दी अथवा केशर का तिलक करना चाहिए। इन उपाय से गुरू प्रबल होता है और नवम भाव जागता है।

दशम भाव को जागृत करने हेतु शनिदेव का उपाय करना चाहिए। एकादश भाव के लिए भी गुरू का उपाय लाभकारी होता है।

अगर बारहवां घ्रर सोया हुआ हो तो घर मे कुत्ता पालना चाहिए। पत्नी के भाई की सहायता करनी चाहिए। मूली रात को सिरहाने रखकर सोना चाहिए और सुबह मंदिर मे दान करना चाहिए..

क्यों करते हैं हनुमान चालीसा का पाठ

कलियुग में हनुमानजी की भक्ति सबसे सरल और जल्द ही फल प्रदान करने वाली मानी गई है। श्रीराम के अनन्य भक्त श्रीहनुमान अपने भक्तों और धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोगों की हर कदम मदद करते हैं। सीता माता के दिए वरदान के प्रभाव से वे अमर हैं और किसी ना किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं। हनुमानजी को मनाने के लिए सबसे सरल उपाय है हनुमान चालीसा का नित्य पाठ। हनुमानजी की यह स्तुति का सबसे सरल और सुरीली है। इसके पाठ से भक्त को असीम आनंद की प्राप्ति होती है। तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा बहुत प्रभावकारी है।

इसकी सभी चौपाइयां मंत्र ही हैं। जिनके निरंतर जप से ये सिद्ध हो जाती हैं और पवनपुत्र हनुमानजी की कृपा प्राप्त हो जाती है। इससे वह स्वयं भक्तों का साथ देते हैं।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

शिशु को कैसे दिलवाएं डकार

शिशु के जब बोतल से दूध पीता है तो उस दौरान हवा भी अन्दर पेट में चली जाती है। दूध की बोतल से शिशु के पेट में गई ये हवा उसे गैसी और चिड़चिड़ा बना देती है। उसके शरीर में अत्याधिक गैस और असुविधा से राहत देने के लिए डकार दिलवाने के लिए उनको आपकी सहायता की आवश्यकता है। डकार दिलवाने का सही तरीका क्या है और, ऐसा कब होता है जब शिशु को दूध पीने के बाद भी डकार नहीं आती।

उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन

रक्तचाप की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बड़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कंफ्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

1. **खाने में नमक की मात्रा कम कर दें-** उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।
2. **प्रोसेस्ड फूड न लें-** प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।
3. **तेल कम खाएं-** जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।
4. **अल्कोहल से बचें-** शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।
5. **कॉफी कम पीएं-** कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।

6. **धूम्रपान न करें-** सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।
7. **पशु उत्पाद लेना बंद कर दें-** पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंडा और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।
8. **खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें-** साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।

सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

गंजेपन के शिकार

आए दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हो, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?

वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती है और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।

टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोंस में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गेन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरॉन नाम के यौन हॉर्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में स्रावित होने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरॉन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोंस में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जींस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को आनुवांशिक भी माना जाता है।

फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पूरी तरह से गंजी होतीं? इसका जवाब टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए स्रावित होता है। और जब ये महिलाओं में अधिक स्रावित होता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरॉन नाममात्र के लिए स्रावित होते हैं और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी स्राव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरॉन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज़ में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अक्सर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर

अक्सर लोग प्रदूषण और डस्ट से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रूमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धुएं, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पेल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि वे फेफड़े की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।

भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़

बच्चों के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर माता-पिता गुस्से में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉग्नेटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आंकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।

कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

रेसिपी

हर्बड़ पनीर पराठा

सामग्री

मिक्स करके ताजा हर्बड़ भरावन बनाने के लिए: 1/4 कप बारीक कटी हुई सोआ भाजी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक , स्वाद अनुसार, **अन्य सामग्री:** 4 आधी-सेकी हुई गेहूं की रोटियां, **पकाने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** ताजा लो-फैट दही

विधि

हर्बड़ भरावन के मिश्रण को 4 बराबर भागों में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए। एक आधी सेकी हुई रोटी को साफ सूखी सतह पर रखकर, भरावन मिश्रण के एक भाग को रोटी के आधे हिस्से पर रखिए और रोटी का दूसरा आधा हिस्सा मिश्रण के उपर मोड़ दीजिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर पराठा रखकर, ½ टी-स्पून तेल की मदद से, पराठे को दोनो तरफ सुनहरा से होने तक सेकिए। बाकी बची रोटियां और भरावन मिश्रण से 3 और पराठे बनाइए। ताजे लो-फैट दही के साथ गरमा गरम परोसिए।

राजस्थानी पुलाव

सामग्री

3 कप पके हुए चावल, 2 कप बेसन, एक कप दही, 5 आलू, 5 प्याज लम्बाई में कटे हुए, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 4 हरी मिर्च, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच गरम, मसाला पाउडर 2 लौंग, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच अजवायन, एक छोटा चम्मच राई, ड्राइ फ्रूट्स, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल, बारीक कटी धनिया

विधि

बेसन को बर्तन में छानकर इसमें थोड़ा लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, थोड़ा नमक और दही डालकर मिक्स करके गूंद लें। गुंदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई बनाएं। अब लोई को लंबा करके रोल्स तैयार करें। गैस पर बर्तन में पानी गर्म करें। इसमें बेसन के रोल्स डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। गैस बंद करके रोल्स को पानी से निकाल लें और इन्हें एक इंच मोटे टुकड़ों में काट लें। बेसन के गट्टे तैयार हैं। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें लौंग, हींग और राई डालकर तड़का लगाएं। इसके बाद तेल में प्याज डालकर फ्राई करें। जब प्याज सुनहरे हो जाएं तो इसमें हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं। अब हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और नमक ड्राइ फ्रूट्स डालकर एक मिनट पकाएं। इसके बाद चावल और बेसन के गट्टे डालकर चलाएं। अब चावल को 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं इसके बाद गैस बंद कर दें और चावल को एक मिनट के लिए ढक दें। राजस्थानी गट्टे वाला पुलाव तैयार है। इसे हरी धनिया से गार्निश करके दही या रायते के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता हैं और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

फॉर्म छह का 'अवैध' इस्तेमाल

अभी तो चुनाव आयोग को सर्वोच्च अदालत के सवालों के जवाब देने हैं, लेकिन उसके भीतर ही नए, गंभीर विरोधाभास उभर आए हैं। ताजातरीन मामला महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम का है। उन्होंने चुनाव आयोग को सुझाव भेजा है कि फॉर्म 6 से 'नए मतदाता के लिए' शब्द हटा दिए जाएं, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मतदाताओं के दोबारा पंजीकरण के लिए भी फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, जबकि घोषित, कानूनी रूप से फॉर्म 6 उन्हीं से भरवाया जाना चाहिए, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार मतदाता बन रहे हों। जिन पुराने मतदाताओं के नाम 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान छूट गए अथवा काट दिए गए, उनसे भी फॉर्म 6 भरवा कर 'गलत घोषणा' कराई जा रही है कि वे पहली बार मतदाता बन रहे हैं। वे इससे पहले कभी भी मतदाता नहीं रहे। यही गंभीर, कानूनी विरोधाभास है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के मुताबिक, फॉर्म 6 में 'गलत घोषणा' करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मतदाता को 1 साल की जेल हो सकती है। जुर्माने का भी प्रावधान है। जेल और जुर्माने की सजाएं एक साथ भी दी जा सकती हैं। विरोधाभास के साथ सवाल भी है कि चुनाव आयोग फॉर्म 6 की व्यवस्था बदल नहीं रहा और एक राज्य के सीईओ सरीखे शीर्ष अधिकारी ने मौजूदा शब्दावली और व्यवस्था को 'गलत, अवैध' करार देते हुए उसे बदलने का प्रस्ताव भेजा है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव कर सकता है? क्या पुराने मतदाताओं से भी, दोबारा पंजीकरण के लिए, फॉर्म 6 जबरन भरवाया जा रहा है? फॉर्म 8 के जरिए ये पंजीकरण क्यों नहीं किए जा रहे? दरअसल चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव नहीं कर सकता। उसके लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है। यदि मामला ज्यादा पेचीदा और संवैधानिक दर्जे का है, तो संसद के पटल पर प्रस्ताव पेश और पारित कराया जा सकता है। अब फॉर्म 6 की शब्दावली बदलने और संलग्न हलफनामे को हटाने का नया बवाल उभर आया है, तो चुनाव आयोग को मंथन करना पड़ेगा। चूंकि सर्वोच्च अदालत ने भी आयोग से हलफनामे के जरिए स्पष्टीकरण मांग रखा है कि फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र नत्थी करने का आदेश कब और किसने दिया? क्या यह फैसला तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से लिया अथवा सीईसी का ही फैसला था? इनके जवाब प्रमाण सहित देने पड़ेंगे, लिहाजा पुरानी शब्दावली हटाने का जोखिम भी आयोग नहीं ले सकता। अंततः गंभीर और संवैधानिक सवाल है कि 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (एसएसआर) के जरिए देश के 17 राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम नए सिरे से जोड़े जा रहे हैं, क्या उन्हें फॉर्म 6 के जरिए ही पंजीकृत किया जा रहा है? यह प्रक्रिया पूर्णतः 'अवैध' है। चुनाव आयोग की लंबी खामोशी से समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, लिहाजा सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्तों को एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धुंध को साफ करना चाहिए। आयोग देश से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं है। उसे अपनी छवि और प्रतिष्ठा की रक्षा करनी चाहिए। अभी तक एसआईआर में करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। उनमें करीब 2.80 करोड़ 'दिवंगत' हो चुके हैं। यह छंटनी अपरिहार्य है। शेष 10.57 करोड़ नाम मतदाता सूचियों में फिर जोड़े जा सकते हैं, यह हमारा भरोसा है, क्योंकि एक भी नागरिक को 'मताधिकार' के संवैधानिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इनमें करीब 6.30 करोड़ मतदाता 'शिफ्ट' माने जा रहे हैं। वे देश में कहीं और स्थानांतरित हो गए होंगे, क्या नई जगह उनका वोट बना है? महाराष्ट्र के सीईओ का यह सुझाव भी है कि ऐसे मामलों में मतदाता के पुराने 'एपिक' नंबर का इस्तेमाल करने की भी अनुमति दी जाए। यह 'एपिक' मतदाता पहचान पत्र पर अंकित होता है। दरअसल एसआईआर प्रक्रिया ही एक 'मजाक' साबित हुई है। उस पर रोक लगा देनी चाहिए, क्योंकि एसएसआर ही पर्याप्त है। सवालिया यह भी है कि सर्वोच्च अदालत ने अभी तक इस संवैधानिक समस्या पर कोई फैसला लेकर आयोग को आदेश क्यों नहीं दिया? क्या 27-28 अक्तूबर वाली तारीख पर ऐसी कोई पहल की जा सकती है? जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, उन मतदाताओं को वोट का अधिकार देना होगा और उनके नाम दोबारा से जोडऩे होंगे।

केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है। यदि मामला ज्यादा पेचीदा और संवैधानिक दर्जे का है, तो संसद के पटल पर प्रस्ताव पेश और पारित कराया जा सकता है। अब फॉर्म 6 की शब्दावली बदलने और संलग्न हलफनामे को हटाने का नया बवाल उभर आया है, तो चुनाव आयोग को मंथन करना पड़ेगा। चूंकि सर्वोच्च अदालत ने भी आयोग से हलफनामे के जरिए स्पष्टीकरण मांग रखा है कि फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र नत्थी करने का आदेश कब और किसने दिया? क्या यह फैसला तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से लिया अथवा सीईसी का ही फैसला था? इनके जवाब प्रमाण सहित देने पड़ेंगे, लिहाजा पुरानी शब्दावली हटाने का जोखिम भी आयोग नहीं ले सकता। अंतत: गंभीर और संवैधानिक सवाल है कि 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (एसएसआर) के जरिए देश के 17 राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम नए सिरे से जोड़े जा रहे हैं, क्या उन्हें फॉर्म 6 के जरिए ही पंजीकृत किया जा रहा है? यह प्रक्रिया पूर्णत: 'अवैध' है। चुनाव आयोग की लंबी खामोशी से समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, लिहाजा सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्तों को एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धुंध को साफ करना चाहिए। आयोग देश से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं है।

कुछ अलग

एकाग्रता की परीक्षा

इंग्लैंड में उस समय इंडियन सिविल सर्विसेज यानी आईसीएस दुनिया की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती थी और अंग्रेजों का यह मानना था कि भारतीय मानसिक रूप से इतने मजबूत नहीं होते कि इस परीक्षा के दबाव को झेल सकें। मुख्य लिखित परीक्षा के दिन, जिस हॉल में सुभाष चंद्र बोस बैठे थे, वहां की दीवार पर लगी बड़ी घड़ी बहुत तेज़ और अजीब सी आवाज़ कर रही थी। कुछ छात्रों ने एकाग्रता भंग होने की शिकायत भी की, लेकिन नियमों के कारण घड़ी को हटाया नहीं जा सका। परीक्षा खत्म होने के बाद, एक ब्रिटिश निरीक्षक ने सुभाष बाबू के पास आकर कौतूहलवश पूछा, 'क्या उस घड़ी की तेज़ टिक-टिक ने आपका ध्यान नहीं भटकाया?' सुभाष चंद्र बोस ने बहुत ही सहजता से मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'कैसी घड़ी? मुझे तो ऐसी कोई आवाज़ सुनाई ही नहीं दी। मेरा पूरा ध्यान केवल मेरे प्रश्न-पत्र और उसके उत्तरों पर था।'

संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए।

पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है।

देश दुनिया से

परंपरा से हटकर सह-जीवन के यक्ष प्रश्न

लिव-इन रिलेशनशिप या सह-जीवन आधुनिक समाज की एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें दो वयस्क बिना किसी कानूनी या पारंपरिक विवाह के एक ही छत के नीचे पति-पत्नी की तरह साथ रहते हैं। यह अवधारणा केवल आधुनिक जीवनशैली नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा दार्शनिक और समाजशास्त्रीय आधार है। यद्यपि 'लिव-इन रिलेशनशिप' शब्द पश्चिमी आधुनिकता की देन लगता है, लेकिन बिना पारंपरिक विवाह के दो वयस्कों का साथ रहना इतिहास में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहा है। पश्चिमी समाजों में 1960 और 1970 के दशकों की यौन क्रांति और नारीवादी आंदोलनों के बाद इस व्यवस्था को गति मिली, जिसमें महिलाओं ने 'माय बॉडी, माय चॉइस' का नारा बुलंद किया। महिलाओं की आर्थिक आजादी और गर्भनिरोधक साधनों की सुलभता ने विवाह की अनिवार्यता को कम किया। महान फ्रांसीसी लेखक व दार्शनिक वोल्तेयर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक एमिली डू शेटेले तथा फ्रांस के ही प्रसिद्ध दार्शनिक सिमोन द बोउवार और ज्यां-पॉल सार्त्र को पाश्चात्य इतिहास का सबसे चर्चित और प्रभावशाली लिव-इन जोड़ा माना जाता है। दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शुमार मीडिया पर्सनैलिटी ओप्रा विन्फ्रे और उनके पार्टनर स्टेडमैन ग्राहम 1986 से लिव-इन में रह रहे हैं। प्राचीन भारत में गंधर्व विवाह का प्रचलन था, जिसमें माता-पिता की सहमति या किसी धार्मिक अनुष्ठान के बिना स्त्री और पुरुष आपसी सहमति से एक-दूसरे को चुनकर साथ रहने लगते थे। आज भी मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान के आदिवासी समुदायों में प्रचलित नाता प्रथा के अंतर्गत कोई भी स्त्री-पुरुष अपनी मर्जी से एक-दूसरे के साथ रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश के कुछ जातीय समुदायों में स्त्री-पुरुष अपनी मर्जी से विवाह किए बिना साथ रह सकते हैं, जिसको 'घर बैठना' कहते हैं। यदि भारत के प्राचीन आख्यानों को खंगाला जाए, तो विवाह बंधन में बंधे बिना अनेक विभूतियों के साथ रहने और बच्चे पैदा होने के प्रसंग मिलते हैं। प्राचीन काल से ही व्यक्तिवादियों द्वारा विवाह संस्था को चुनौती मिलती रही है, क्योंकि इसमें हमेशा बंधन में जीना होता है, जबकि सह-जीवन स्वतंत्र इच्छा, विश्वास और आपसी प्रेम पर आधारित है। दार्शनिक ज्यां-पॉल सार्त्र और सिमोन द बोउवार जैसे विचारकों का मानना था कि यदि पारंपरिक विवाह किसी के लिए मानसिक तनाव या हिंसा का कारण बन रहा है, तो लिव-इन को एक ऐसे विकल्प के रूप में देखा जा सकता है, जो बिना कानूनी जटिलताओं (जैसे तलाक की लंबी प्रक्रिया) के अलग होने की आजादी देता है। कुछ शोध बताते हैं कि वैवाहिक कानूनों की जटिलताओं, भरण-पोषण जैसी बाध्यताओं और तलाक की लंबी प्रक्रियाओं के चलते ही लोग लिव-इन की तरफ प्रेरित हो रहे हैं। दहेज का भारी खर्च व पारंपरिक विवाह उद्योग के दिखावटी प्रपंचों से विवाह का व्यय क्षमता से अधिक हो जाता है। रही बात सामाजिक मान्यता की, तो आर्थिक आजादी और कैरियर के कारण घर से दूर रहने वाले युवा इसकी परवाह नहीं करते। समाज इसे उच्छृंखल व्यवहार मानते हुए मान्यता नहीं देता है। दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के अभाव के चलते ऐसे रिश्ते अमूमन ऐसे मोड़ पर खत्म होते हैं, जहां से सभी रास्ते बंद हो चुके होते हैं। महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मुद्दों पर जनता से राय मांगी जा रही है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में बनाई गई समिति ने लोगों से सुझाव लेने हेतु एक वेबसाइट शुरू की है। सरकारें सह-जीवन व इससे जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर हैं और समान नागरिक संहिता के साथ-साथ पारिवारिक एवं यौन हिंसा, संपत्ति के अधिकार व भरण-पोषण, बच्चों की परवरिश व जिम्मेदारी तथा धार्मिक आधार पर होने वाले भेदभाव से संबंधित कानून बनाने हेतु रायशुमारी कर रही हैं। समाजशास्त्रीय दृष्टि से लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक संरचना व विवाह और परिवार के पारंपरिक ढांचे में बदलाव के रूप में देखा जाता है, जहां व्यक्ति अपनी चाहत को सामाजिक बंधनों से ऊपर रखता है। आज की युवा पीढ़ी विवाह जैसी स्थायी संस्था में कदम रखने से पहले भावनात्मक, वित्तीय और शारीरिक अनुकूलता की जांच करने के लिए लिव-इन को एक 'टेस्ट रन' या 'ट्रायल पीरियड' मानती है। कुछ लोग इसे लैंगिक समानता के हक में तथा पारंपरिक विवाह और पितृसत्तात्मक मानदंडों के खिलाफ युवा पीढ़ी की बगावत के रूप में भी देखते हैं। भारतीय समाज भले ही इसे पूरी तरह स्वीकार न कर पाया हो, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐतिहासिक फैसलों में स्पष्ट किया है कि दो वयस्कों का सहमति से साथ रहना कोई अपराध या पाप नहीं। लंबे समय तक चलने वाले लिव-इन संबंधों को शादी जैसा माना जा सकता है और महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत संरक्षण व भरण-पोषण का अधिकार भी प्राप्त हो सकता है। यह देखना अहम होगा कि समाज इसे कब तक एक सामाजिक अपराध की दृष्टि से देखता रहेगा, जबकि सरकार व कानून अपने नजरिये में बदलाव कर रहे हैं। समय आ गया है कि बदलते परिवेश में समाज अपनी मान्यताएं बदले।

आप का नज़रिया

यूरोप में बवाल

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आगजनी और मॉल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदारीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी की खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं, वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौतरफा आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति शृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस-यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्राइल-हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गईं। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया। दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है। इस तपिश में रोटी सेंकने के लिये राजनीतिक दल आतुर दिखायी देते हैं। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी उभार के संकेत दिखायी दे रहे हैं, वहीं कुछ देशों में वाम व श्रमिक संगठन अपने अवसर तलाश रहे हैं। जहां दक्षिणपंथी दल प्रवासियों को अपने-अपने देश की समस्याओं की वजह बता रहे हैं, वहीं वामपंथी दल सत्ता में भागीदारी को आतुर हैं। यह कटु सत्य यह है कि जिन देशों में इस समय आंदोलन उभार पर हैं, उनमें से स्पेन, फ्रांस, इटली, पोलैंड और ग्रीस में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। अतः इन आंदोलनों के राजनीतिक निहितार्थ समझना कठिन नहीं होगा। आम आदमी जहां पेट्रोलियम पदार्थों, खाद्य वस्तुओं की कीमतें और आवासीय महंगाई बढ़ने से आक्रोशित है, वहीं युवा रोजगार संकट से त्रस्त हैं। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय दिखायी दे रहा है। वहीं अल्बानिया में हिंसक रूप ले चुका आंदोलन सिस्टम के भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुखर है। आंदोलनकारियों ने लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों से जुड़े संस्थानों तक को आग के हवाले किया है। दरअसल, समाज में एक ओर अभिजात्य वर्ग की विलासिता बदस्तूर जारी है, वहीं दूसरी ओर समाज के एक बड़े वर्ग को रोटी-कपड़ा-मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। सत्ताधीशों की संवेदनहीनता और लोक कल्याण के वायदों का हकीकत न बन पाना आक्रोश की वजह बन रहा है।

लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौतरफा आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति शृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस-यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्राइल-हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गई। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है।

दृष्टि कोण

स्तरहीन उच्च शिक्षा का काला साया

कॉलेज और उच्च शिक्षा में पढ़ाई की अकादमिक गुणवत्ता में आ रही गिरावट एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक मुद्दा है। स्तरहीन उच्च शिक्षा के कारण ही स्कूल शिक्षा पूरी करने के बाद अधिकतर छात्र बड़े शहरों में या फिर विदेश में बेहतर शिक्षा के लिए जा रहे हैं। स्तरहीन और हल्की गुणवत्ता की उच्च शिक्षा वर्तमान समय में वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चिंता का विषय है। जब किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली डिग्री बांटने वाले कारखानों में बदल जाती है और व्यावहारिक ज्ञान देने में विफल रहती है, तो उसे स्तरहीन शिक्षा कहा जाता है। शिक्षा का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। कई निजी कॉलेज और विश्वविद्यालय केवल मुनाफे के लिए चल रहे हैं, जहां पढ़ाई से ज्यादा ध्यान फीस वसूलने पर होता है। ये उच्च शिक्षा में स्तरहीनता को बढ़ा रहे हैं। आजकल अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा वित्तीय मजबूरी के चलते ओपन दाखिला प्रणाली को शुरू कर यानी कि रवायती कॉलेज कोर्स खुद शुरू करके इन पुराने कॉलेज छात्रों की संख्या को कमजोर कर दिया गया है इसका नतीजा यह हो रहा है कि छोटे कस्बों और छोटे शहरों के अनेक कॉलेज छात्रों की एनरोलमेंट के लिए तरस रहे हैं और धीरे धीरे पैसों की कमी के चलते बंद होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उच्च शिक्षा के स्तरहीन होने के अनेक प्रशासनिक कारण भी हैं। कुछ रिपोर्ट बताती है कि कई संस्थानों में प्रभावी प्रशासन का अभाव है और शिक्षण और प्रशासनिक कार्यों में शिथिल स्टाफ की जवाबदेही तय नहीं हो पाती है। अनेक राज्यों में रेगुलर कॉलेज प्रिंसिपल और वांछित शिक्षक ही नहीं हैं। मेधावी व्यक्ति कई बार शिक्षण कार्य को अन्य विकल्पों में सफलता न मिलने पर अंतिम विकल्प के रूप में चुन लेते हैं। ऐसे में ये लोग शायद अपने काम से न्याय नहीं कर पाते हैं। आज भी बहुसंख्या में छात्र केवल समय बिताने या डिग्री हासिल करने के लिए दाखिला लेते हैं। उनकी विषय की गहराई में जाने में कोई रुचि नहीं होती, न ही उन्हें क्लास हाजिरी की फिक्र होती है। कॉलेज और विश्वविद्यालयों को फीस देने वाले छात्र चाहिए, चाहे वे छात्र कैम्पस में आएं या न आएं, क्लास लगाएं या न लगाएं। यह सभी राज्यों में देखा जा रहा है। डिजिटल मोड ऑफ लर्निंग के चलते क्लासरूम पढ़ाई की मौलिकता और प्रासंगिकता भी खत्म होती जा रही है। यह शिक्षा की वह पारंपरिक और बुनियादी नींव है, जिसे डिजिटल युग की तकनीकें भी पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकतीं। क्लासरूम सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने की जगह नहीं है, बल्कि यह एक छात्र के सर्वांगीण विकास का प्राथमिक केंद्र है। क्लासरूम में छात्र और शिक्षक के बीच सीधा संवाद होता है। छात्र अपने प्रश्नों का उत्तर तुरंत पा सकते हैं, जिससे सीखने की गति और स्पष्टता बढ़ती है। एक शिक्षक छात्र के चेहरे के हाव-भाव देखकर समझ सकता है कि उसे विषय समझ आ रहा है या नहीं, जो ऑनलाइन स्क्रीन पर संभव नहीं है। छात्र अपने हमउम्र साथियों के साथ बैठते हैं, जिससे उनमें टीम वर्क, सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए बच्चों के साथ रहकर वे सामाजिक ताने-बाने और आपसी सम्मान को सीखते हैं। क्लासरूम का एक तय समय और समय-सारणी होती है, जो छात्रों के जीवन में समय प्रबंधन और अनुशासन की भावना पैदा करती है। घर के वातावरण की तुलना में क्लासरूम का माहौल पढ़ाई के लिए अधिक अनुकूल होता है, जिससे ध्यान भटकने की संभावना कम होती है। क्लासरूम में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के मूल्य सिखाए जाते हैं। शिक्षक एक रोल मॉडल के रूप में छात्रों को ईमानदारी, धैर्य और कड़ी मेहनत की प्रेरणा देते हैं।

पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची जारी की

नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ टेस्ट नंबर-3 बल्लेबाजों की अपनी सूची जारी की है। हैरानी की बात है कि पुजारा ने इस सूची में अपने को शामिल नहीं किया है जबकि नंबर तीन पर बल्लेबाज करे हुए 103 टेस्ट मैचों में उनके नाम 7195 रन हैं।

पुजारा की इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका के दो, जबकि श्रीलंका, आस्ट्रेलिया और भारत के एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। उन्होंने अपने पांच पसंदीदा नंबर-3 बल्लेबाजों के रूप में भारत के राहुल द्रविड़, आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के आलराउंडर जैक कैलिस और उनके हमवतन बल्लेबाज हाशिम अमला, तथा श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को चुना। जब उन्हें इन्हीं दिग्गजों में से शीर्ष तीन चुनने के लिए कहा गया, तो पुजारा ने भारतीय द वाल राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और हाशिम अमला का नाम लिया।

टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने के मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा (207 पारियों में 11679 रन) शीर्ष पर हैं, जबकि भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (219 पारियों में 10524 रन) दूसरे और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (196 पारियों में 9904 रन) तीसरे स्थान पर हैं। हाशिम अमला ने भी 174 पारियों में 7993 रन बनाए हैं। स्वयं चेतेश्वर पुजारा का नंबर-3 पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने इस स्थान पर 155 पारियों में 44.41 की शानदार औसत से 6529 रन बनाए हैं और टेस्ट में बनाए गए अपने 19 शतकों में से 18 इसी पोजीशन पर जड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार, नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पुजारा छठे पायदान पर हैं, जो उनके आत्म-निराकरण के बावजूद उनकी काबिलियत को दर्शाता है। जैक कैलिस, जो पुजारा की सूची में शामिल हैं, ने नंबर-3 पर 78 पारियों में 3335 रन बनाए हैं, लेकिन उनकी आलराउंडर क्षमताओं ने उन्हें इस सूची में जगह दिलाई होगी। पुजारा का यह निर्णय उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, लेकिन उनके आंकड़े और खेल शैली उन्हें इस विशिष्ट समूह में एक मजबूत दावेदार बनाती है।

पूजारा को पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की विकेट पर टिककर खेलने की खूबी के कारण उनके जैसे ही भरोसेमंद बल्लेबाज माना जाता हैवहीं जब उनसे 21वीं सदी के टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 बल्लेबाजों में खुद के स्थान के बारे में पूछा गया, तो पुजारा ने स्पष्ट कहा कि वह शीर्ष 20 या शीर्ष 10 में तो खुद को शामिल करेंगे, लेकिन शीर्ष 5 में नहीं। उनका यह बयान क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के लिए आश्चर्यजनक था, क्योंकि नंबर-3 पर उनकी बल्लेबाजी तकनीक, अद्वितीय धैर्य और लंबी पारियां खेलने की क्षमता उन्हें इस स्थान के लिए आदर्श बनाती है।

न्यूज ब्रीफ

एशियन पैरा खेल : कस्तूरी ने पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम वर्ग में जीता रजत

आइची-नागोया। भारत की कस्तूरी राजमणि ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अपने तीन प्रयासों में से दो में सफलता हासिल करते हुए 108 किलोग्राम वजन उठाया। कस्तूरी ने पहले प्रयास में 103 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। दूसरे प्रयास में वह 106 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रहीं, लेकिन तीसरे प्रयास में 108 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। उज्बेकिस्तान की रुखशोना उकतामोवा ने 127 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उकतामोवा ने पहले प्रयास में 120 किग्रा, दूसरे प्रयास में 125 और तीसरे प्रयास में 127 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि दक्षिण कोरिया की किम ह्योंगहुई ने 107 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 104, और दूसरे प्रयास में 107 किग्रा वजन उठाया, हालांकि 109 किलोग्राम वजन उठाने का तीसरा प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सकीं। भारत खबर लिखे जाने तक पदक तालिका में पांचवें स्थान पर था।

एशियन पैरा खेल ; मनजीत ने भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में जीता रजत, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फेंका 61.41 मीटर भाला

आइची-नागोया। भारत के मनजीत ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने 61.41 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं जापान के युता वाकोह ने 59.66 मीटर के साथ स्वर्ण और जापान के ही केंटा वाकोह ने 58.60 मीटर के साथ कांस्य जीता मनजीत ने अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दूसरे प्रयास में किया। संयुक्त एफ-12/13 वर्ग की इस स्पर्धा में पदकों का फैसला केवल भाला फेंकने की दूरी के आधार पर नहीं, बल्कि रजा अंक प्रणाली के आधार पर हुआ। जापान के युता वाकोह ने 914 रजा अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनजीत 838 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के केंटा वाकोह ने 783 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत प्रतियोगिता की पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। खबर लिखे जाने तक भारत के खाते में 12 स्वर्ण, 16 रजत और 18 कांस्य सहित कुल 46 पदक थे।

सवाल पूछने की क्षमता के कारण ही मिली सफलता : अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली। ओलंपिक में भारत की ओर से व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बिंद्रा ने कहा है कि कि उनकी सफलता का एक बड़ा कारण अधिक से अधिक सवाल पूछने की क्षमता थी। इसी से वह अपने खेल कौशल को बेहतरा बनाने में सफल रहे। इसलिए बिंद्रा ने सभी उभरते हुए खिलाड़ियों से कहा है कि वह अधिक से अधिक सवाल पूछें। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे खिलाड़ियों की ही आवश्यकता है जो केवल बताये गये निर्देश पर चलने की जगह तय प्रक्रिया और ढांचे पर भी सवाल उठाये और बेहतर हासिल करने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिंद्रा ने अपनी खेल यात्रा का एक अहम पहलू साझा किया। उन्होंने लिखा, मेरे पूरे खेल करियर में, मैंने अपने कोचों से सवाल पूछे, उनके सुझावों को चुनौती दी और अपनी उत्सुकता को कभी मरने नहीं दिया। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया कि मैं उनका अनादर करता था, बल्कि इसलिए कि मैं हर बात को समझकर सीखना चाहता था। उनकी यह सलाह युवा एथलीटों के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल निर्देशों का पालन करने के बजाय सक्रिय रूप से अपनी समझ विकसित करें। उन्होंने आगे अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मुझे यह बात चिंतित करती है कि जब खिलाड़ियों को लगता है कि वे खुलकर अपनी बात नहीं रख सकते, तो समय के साथ एक कहीं अधिक चिंताजनक स्थिति पैदा हो जाती है। वे धीरे-धीरे अपने मन में भी सवाल पूछना बंद कर देते हैं। बिंद्रा ने चेतावनी दी कि जब ऐसा होता है, तो हम खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आवश्यक एक बहुत ही अहम चीज खो देते हैं। वह है सीखने की निरंतर प्रक्रिया और आलोचनात्मक सोच की क्षमता। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत खिलाड़ी के लिए हानिकारक है, बल्कि पूरे खेल समुदाय के विकास को भी बाधित करती है। बिंद्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो अपने काम, अपने कोचों और उन्हें बताई गई प्रक्रिया पर सवाल उठा सकें।

एशियाई पैरा खेल : ऊंची कूद में भारत का दोहरा धमाल, प्रवीण ने स्वर्ण, बंटी ने जीता रजत

आइची-नागोया

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। प्रवीण ने 2.05 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

प्रवीण ने प्रतियोगिता की शुरुआत 1.92 मीटर की ऊंचाई से की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.05 मीटर की ऊंचाई पार की। इस दौरान उन्होंने खेलों का नया रिकार्ड बनाया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

बंटी ने 1.92 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की ऊंचाई पार कर कांस्य पदक जीता।

प्रवीण ने इस प्रदर्शन के साथ एशियाई पैरा खेलों में अपना खिताब भी बचाया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। भारतीय खिलाड़ियों के स्वर्ण और रजत पदक जीतने से इस स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के गोविंदगढ़ गांव के रहने वाले प्रवीण कुमार का जन्म 15 मई 2003 को हुआ था। निचले अंगों से संबंधित दिव्यांगता के साथ जन्मे प्रवीण ने कम उम्र में ही एथलेटिक्स में रुचि विकसित की और ऊंची कूद को अपना प्रमुख खेल बनाया। वह डा. सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम केंद्र में अभ्यास करते हैं। वह लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के अंतर्गत आने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं।

प्रवीण ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 2.07 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता। पेरिस पैरालंपिक-2024 में उन्होंने 2.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2.00 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था।

एशियाई पैरा खेल : आयुष वर्मा ने गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में जीता स्वर्ण, दो पदकों के साथ अभियान का किया समापन, इससे पहले भाला फेंक में जीत चुके हैं कांस्य

आइची-नागोया। भारत के पैरा एथलीट आयुष वर्मा ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 8.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस स्वर्ण के साथ आयुष ने इन खेलों में अपना दूसरा पदक जीता। इससे पहले वह पुरुषों की भाला फेंक एफ-53/एफ-54 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुके हैं। गोला फेंक स्पर्धा में ईरान के अलीरेजा हेमामी ने 8.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिक्कालिएव 6.81 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले आयुष वर्मा का जन्म 15 जुलाई 1991 को हुआ था। वह एफ-53 वर्ग में बैठकर थ्रो करने वाली स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में पैरा खेलों में प्रतिस्पर्धात्मक सफर शुरू किया और कोच रोबिन कुमार के मार्गदर्शन में गोला फेंक का अभ्यास किया। आयुष की इस उपलब्धि से एशियाई पैरा खेलों में भारतीय दल के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जुड़ गया। उनका प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा एथलेटिक्स की मजबूती को भी दर्शाता है।

एशियन पैरा खेल : भाग्यश्री ने गोला फेंक में जीता रजत, 100 मीटर दौड़ में राकेशभाई को कांस्य

आइची-नागोया

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारत की भाग्यश्री जाधव ने महिलाओं की गोला फेंक एफ-34 स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने 8.19 मीटर का थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं, राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ टी-37 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में भाग्यश्री ने अपने तीसरे प्रयास में 8.19 मीटर की दूरी हासिल की। इससे पहले उन्होंने दूसरे प्रयास में 8.14 मीटर का थ्रो किया था।

उनका 8.19 मीटर का प्रदर्शन शुरुआत में एशियाई पैरा खेलों के मौजूदा रिकार्ड के बराबर था, लेकिन चीन की झोउ लिजुआन ने 9.07 मीटर का थ्रो कर नया खेल रिकार्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। झोउ का यह प्रदर्शन उनके 9.25 मीटर के विश्व रिकार्ड से थोड़ा कम रहा। भाग्यश्री का रजत पदक भारतीय दल के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। उन्होंने लगातार अच्छे प्रयासों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

इसी बीच, राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ टी-37 के फाइनल में 11.50 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। सऊदी अरब के अली अलनखली ने 11.31 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि इंडोनेशिया के सप्तयोगो पूर्णोमो ने 11.35 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। इन दोनों पदकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स में अपनी मौजूदगी और मजबूत की। भाग्यश्री के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राकेशभाई के कांस्य पदक ने भारत के अभियान में अहम योगदान दिया।

एशियन पैरा खेल : शाट पुट एफ46 इवेंट में भारत का क्लीन स्वीप, सचिन ने बनाया गेम्स रिकार्ड

आइची-नागोया। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुषों की गोला फेंक एफ-46 स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। सचिन खिलारी ने पहले ही प्रयास में 15.79 मीटर का थ्रो करते हुए खेलों का नया रिकार्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मोहम्मद यासिर ने रजत, जबकि प्रवीण ने कांस्य पदक जीता। सचिन ने प्रतियोगिता में निरंतरता दिखाते हुए अपने सभी प्रयासों में 15 मीटर से अधिक दूरी तक गोला फेंका। उनका 15.79 मीटर का पहला प्रयास ही स्वर्ण पदक और खेल रिकार्ड के लिए पर्याप्त रहा। मोहम्मद यासिर ने अपने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर की दूरी हासिल की। यह उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, जिससे उन्होंने रजत पदक अपने नाम किया। प्रवीण ने दूसरे प्रयास में 13.83 मीटर का थ्रो कर कांस्य पदक जीता। इस तरह पुरुषों की गोला फेंक एफ-46 स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक भारतीय खिलाड़ियों के खाते में आए। भारतीय दल के लिए यह उपलब्धि एशियाई पैरा खेलों में देश के शानदार प्रदर्शन को और मजबूती देती है।

गूच सहित इन खिलाड़ियों ने बनाये हैं एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन

लंदन

विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तक एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और भारत के शुभमन गिल भी शामिल हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लार्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकार्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकार्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जान्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

भुवनेश्वर की वापसी से खुश कप्तान श्रेयस, बोले-वह टी20 में दबदबा बनाना जानते हैं

क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले जाने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी पर खुशी जताई है। अय्यर ने कहा कि भुवनेश्वर को इस प्रारूप में दबदबा बनाने का अच्छा अनुभव है और आईपीएल में उनका हालिया प्रदर्शन इसका प्रमाण है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जानी है। भुवनेश्वर लगभग चार साल बाद भारतीय टी20 टीम की जर्सी में गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 35 रन दिए थे और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। मैच टाई रहा था, जबकि भारत ने श्रृंखला जीत ली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर हाल ही में उनकी वापसी का इंतजार बारिश के कारण टल गया था।

इसके बाद भुवनेश्वर ने आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 मैचों में 22.55 की औसत से 45 विकेट लिए और टीम को 2025 तथा 2026 में लगातार दो खिताब जीतने में मदद की। आईपीएल के पिछले सत्र में वह 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकानमी दर से 28 विकेट लेकर दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अय्यर ने मैच से पहले आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा, वह टीम में काफी अनुभव लेकर आते हैं, जिसकी हमें कमी महसूस हो रही थी। आईपीएल के बाद हमारे पास कई नए गेंदबाज थे। उनके पिछले दो वर्षों के प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने आईपीएल खिताब जीते हैं। उन्हें इस प्रारूप पर दबदबा बनाने का बहुत अच्छा अंदाजा है।

अय्यर ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में जल्द ढलने को अहम बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाजों पर अधिक जोर दिखाई देता है और यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजी के अनुकूल हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम जल्द से जल्द परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश करेगी। अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों को पिच और परिस्थितियों का बेहतर अंदाजा मिलेगा, जिससे वे अपनी रणनीति बना सकेंगे। भुवनेश्वर ने भारत के लिए 87 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 23.10 की औसत से 90 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो बार पांच विकेट और तीन बार चार विकेट लेने का प्रदर्शन दर्ज है। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने से केवल 10 विकेट दूर हैं। ऐसा करने पर वह अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। भुवनेश्वर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कुल 294 विकेट हैं। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज के पास 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का भी मौका है। वह ऐसा करने वाले भारत के 14वें गेंदबाज और नौवें तेज गेंदबाज बन सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

नवग्रह अनुष्ठान जाप का श्रद्धा-भक्ति के साथ समापन

जैन श्री संघ मलकपेट में दस दिवसीय धार्मिक आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में चातुर्मास के लिए विराजित जिनशासन दीपिका पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. आदि ठाणा-3 के पावन सानिध्य में आयोजित दस दिवसीय नवग्रह अनुष्ठान जाप का समापन मंगलवार, 20 अक्टूबर को श्रद्धा, भक्ति एवं धर्ममय वातावरण में हुआ।

चातुर्मास प्रधान संयोजक दिलीप गादिया ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 11 अक्टूबर से प्रारंभ हुए इस अनुष्ठान में प्रतिदिन विभिन्न ग्रहों से संबंधित जाप के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक धर्म आराधना की। अनुष्ठान के दौरान सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु एवं केतु ग्रह के जाप किए गए। अंतिम दिन नवग्रह अनुष्ठान जाप की पूर्णाहुति एवं समापन पारणा संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए पारस डोसी ने बताया कि अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन जाप एवं प्रवचन से पूरा वातावरण धर्ममय बना रहा। सामूहिक जाप की आध्यात्मिक गूंज, श्रद्धालुओं की एकाग्र साधना और भक्ति से ओतप्रोत सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। श्रद्धालुओं ने मन की शांति, कर्म निर्जरा, आत्मशुद्धि एवं सम्यक् श्रद्धा की भावना के साथ धर्म आराधना की। समापन दिवस पर नवग्रह जाप की पूर्णाहुति एवं समापन पारणे के अवसर पर विशेष श्रद्धा और मंगलभाव का वातावरण रहा।

समापन दिवस पर नवग्रह जाप के लाभार्थी श्री भंवरलालजी, प्रदीपजी, पारसजी, विनेशजी एवं विशालजी डोसी परिवार, मलकपेट रहे। लाभार्थी परिवार की ओर से कार्यक्रम के पश्चात पधारे सभी श्रावक-श्राविकाओं के लिए स्नेहपूर्वक अल्पाहार की व्यवस्था की गई। आयोजकों ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन से संघ में एकता, सद्भावना एवं धर्म के प्रति श्रद्धा को प्रोत्साहन मिला। संघ के सदस्यों ने अधिक से अधिक श्रावक-श्राविकाओं को सह-परिवार अनुष्ठान में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया।

जैन श्री संघ मलकपेट ने अनुष्ठान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी धर्मप्रेमी श्रावक-श्राविकाओं, लाभार्थी परिवारों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

धूलपेट में रावण दहन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, (शुभ लाभ ब्यूरो)।धूलपेट के रहीमपुरा, अंबेडकर ग्राउंड में नवरात्रि उत्सव समिति की ओर से रावण दहन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न समाजों के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक रवींद्र सिंह रहे।

इस अवसर पर बीआरएस पार्टी मंगलहाट डिवीजन प्रभारी एच. कुमार, जय हिंद सेवा समिति के अध्यक्ष बकेश सिंह, लोढ़ा समाज गणेश मंच के अध्यक्ष गोपाल सिंह, मुनुरु कापू समाज के श्रवण कुमार, एसएसके समाज के ज्योति नगेदार एवं ज्योति येल्लेश, मराठी समाज के राजू शिवाजी, आर्य वैश्य समाज के राजू गुप्ता, राजका समाज के रंजीत, गौड़ समाज के सतीश गौड़, लक्ष्मीनारायण, जगन पांडु, चुक्का नवीन, किशोर, मुकेश कुलदीप, मार्कंडे चव्हाण, डी. राजेंद्र, श्रीधर बाबू एवं प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया।

श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद में प्रसाद एवं महाप्रसादी के लाभार्थियों का सम्मान

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद में प्रसाद के लाभार्थी श्री रामेश्वर लाल जी, मुरलीधर जी एवं कार्तिक जी व्यास तथा श्री गोपाल जी, जुगल किशोर जी एवं पावन कुमार जी उपाध्याय का समाज की ओर से सम्मान किया गया।

सम्मान करने वालों में सुखदेव जी व्यास, भगवान जी तिवारी, अशोक जोशी जी, संतोष जी व्यास, विजय व्यास, दीपक पंडिया एवं चंदू शामिल रहे। इसी क्रम में महाप्रसादी के लाभार्थी श्री लालचंद जी एवं नेनाराम जी उपाध्याय का भी समाज की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ओमप्रकाश जी व्यास, गोपाल जी उपाध्याय, सत्यनारायण जी ओझा, विनोद उपाध्याय जी, गोपाल जी व्यास, सुनील उपाध्याय जी, भगवान कोलरिया जी, संतोष जी व्यास एवं विजय उपाध्याय जी उपस्थित रहे।

चिन्ना जीयर स्वामीजी ने नए उद्यम को दिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आइसबर्ग ऑर्गेनिक क्रीमरी ने खजागुडा में दक्षिण भारत का सबसे बड़ा आइसक्रीम क्राफ्ट हाउस का उद्घाटन किया। श्री त्रिदंडि चिन्न जीयर स्वामीजी ने बुधवार को इसका उद्घाटन किया, जबकि लोकप्रिय टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता, अभिनेत्री एवं निर्माता सुमा कनकला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मंथा सूर्य नारायण शर्मा गरु विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।चिन्न जीयर स्वामीजी ने ब्रांड के प्राकृतिक सामग्री पर फोकस और स्वस्थ भोजन विकल्पों की सराहना की तथा नए उद्यम को आशीर्वाद दिया। यह हैदराबाद में आइसबर्ग का नौवां और देशभर में 12वां आउटलेट है। 2013 में स्थापित इस ब्रांड ने 2018 से पूर्ण जैविक दृष्टिकोण अपनाया है। इसकी आइसक्रीम ए2 दूध, ऑर्गेनिक येलो बटर, धागा मिश्री, नारियल चीनी और गुड़ जैसी सामग्रियों से बनाई जाती है। कंपनी 100 से अधिक जैविक किसानों से सामग्री प्राप्त करती है।नया आउटलेट नानकरामगुडा रोड, चित्रपुरी कॉलोनी के पास खजागुडा में स्थित है और ग्राहकों को प्राकृतिक सामग्री आधारित अनोखा आइसक्रीम अनुभव प्रदान करेगा।

सेवा परमो धर्म संस्था ने गो सेवा और 15 कन्याओं का पूजन कर दिया सेवा और संस्कारों का संदेश

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा, संस्कार और मानवता को समर्पित सेवा परमो धर्म संस्था की ओर से नवरात्रि के पावन अवसर पर गो सेवा एवं कन्या पूजन का धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया।

संस्था का उद्देश्य समाज में सेवा, जीवदया और धार्मिक संस्कारों को बढ़ावा देना है।

इसी उद्देश्य के अंतर्गत संस्था के सदस्यों ने लोअर टैंक बंड स्थित गौशाला पहुंचकर गौमाता को हरा चारा एवं पौष्टिक आहार खिलाया। इस दौरान गोवंश की सेवा कर जीवदया और प्राणीमात्र के प्रति करुणा का संदेश दिया गया।

इसके पश्चात नवरात्रि के पावन पर्व पर 15 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। संस्था के सदस्यों ने कन्याओं के चरण धोए तथा उनके माथे पर कुमकुम एवं हल्दी का तिलक लगाया। इसके बाद उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन करवाया गया और उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

संस्था के सभी सदस्यों ने उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता निभाई। सभी के सहयोग और सेवाभाव से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपंन्न हुआ।

संस्था ने इस कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया कि गौमाता की सेवा, कन्याओं का सम्मान और जरूरतमंदों की सहायता ही भारतीय संस्कृति के सच्चे संस्कार हैं।

ङ्गनर सेवा ही नारायण सेवा हैफ के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सेवा परमो धर्म संस्था निरंतर धार्मिक, सामाजिक एवं मानव सेवा के कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रूसी...

इस समझौते की आलोचना करने में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का साथ दिया।आलोचकों ने इसे यूक्रेन के साथ विश्वासघात और अमेरिका के विरोधी को दिया गया तोहफा बताया है। कांग्रेस सदस्य ब्रायन फिट्जपैट्रिक ने रूस से डीजल की खरीद रोकने के प्रस्ताव पर प्रतिनिधि सभा में मतदान कराने का संकल्प लिया है। उनका मानना है कि इस प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिल सकता है। रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े कानून के सह-प्रायोजक सीनेटर रिचर्ड ब्लुमेंथल ने भी प्रशासन के फैसले की निंदा की है।इस तरह, ईंधन की कीमतों पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से उठाया गया यह कदम ट्रंप प्रशासन के लिए आर्थिक और राजनीतिक, दोनों मोर्चों पर चुनौती बन सकता है। एक ओर अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत देने की उम्मीद है, तो दूसरी ओर रूस को आर्थिक लाभ पहुंचने और यूक्रेन नीति पर सवाल उठने की आशंका भी बनी हुई है।

सीता ...

निर्मला सीतारमण के लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े होने के बावजूद प्रभाकर सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं।

अपनी पुस्तक द क्रुक्ड टिम्बर ऑफ न्यू इंडिया में प्रभाकर ने नोटबंदी जैसे फैसलों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी की ओर ध्यान दिलाते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने पर भी सवाल उठाए हैं। आंध्र प्रदेश के नरसापुरम में जन्मे प्रभाकर की मुलाकात निर्मला सीतारमण से दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पढ़ाई के दौरान हुई थी। राजनीतिक विचारधाराएं अलग होने के बावजूद दोनों ने 1986 में शादी कर ली।

राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं प्रभाकर

लोग प्रभाकर को अर्थव्यवस्था पर उनके बेबाक विचारों के लिए जानते हैं, लेकिन उनका संक्षिप्त राजनीतिक सफर भी काफी चर्चा में रहा है। उनका राजनीतिक सफर 2009 में शुरू हुआ, जब वे अभिनेता चिरंजीवी द्वारा गठित ङ्गप्रजा राज्यम पार्टीफ से जुड़े। वर्ष 2014 से 2018 तक प्रभाकर ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार में संचार सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने अप्रैल 2018 में अचानक इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर हुए विवाद के कुछ सप्ताह बाद सामने आया था। उस समय तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अपना नाता तोड़ लिया था।

प्रभाकर ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया, जब विपक्ष आरोप लगा रहा था कि वे राज्य के हितों से समझौता कर सकते हैं, क्योंकि उनके परिवार की एक सदस्य निर्मला सीतारमण दूसरी पार्टी से जुड़ी हुई थीं।

23 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन में प्रभाकर की भागीदारी से इस आंदोलन को और अधिक चर्चा मिलने की संभावना है।

पीपल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन ने तेज किया विरोध

कई प्रमुख हस्तियों के इसमें शामिल होने की संभावना ने ङ्गपीपल अगेंस्ट एसआईआरफ नाम से हाल ही में गठित गठबंधन की ओर लोगों का ध्यान खींचा है। 14 अक्टूबर को गठित इस गठबंधन में छात्र, किसान, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न समूह एक साथ आए हैं। गठबंधन ने एक बयान में आरोप लगाया है कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से हाशिए पर रहने वाले और कमजोर समुदायों के लोग शामिल हैं। गठबंधन का कहना है कि इस प्रक्रिया को रद्द किया जाना चाहिए और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

टाईगर....

दावा किया कि उनका बेटा निर्दोष है और उसे गुमराह किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय वह खाटू श्याम मंदिर गया हुआ था। यह उसके परिवार का पक्ष है, जबकि मामले में पुलिस की जांच जारी है।

3. राधा सुनील वर्मा ˉ उत्तर प्रदेश

राधा उत्तर प्रदेश के सीतापुर की रहने वाली बताई गई है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, वह आठवीं तक पढ़ी है और कुणाल की प्रेमिका है। पुलिस के अनुसार, राधा और बबीता ने कथित तौर पर हथियारों को मुंबई पहुंचाने में भूमिका निभाई थी। दोनों को दिल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हथियारों की आपूर्ति के लिए उन्हें किसने निर्देश दिए और इस नेटवर्क में दूसरे लोगों की क्या भूमिका थी।

4. बबीता राज रामजतन राव ˉ आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

बबीता 12वीं पास है और बिजली की तारों से जुड़ा काम करती है। वह भी हथियारों की कथित आपूर्ति से जुड़े मामले में गिरफ्तार की गई है। पुलिस के मुताबिक, राधा और बबीता ने ट्रेन से मुंबई पहुंचकर हथियारों को आगे पहुंचाने में मदद की थी। जांच में इस बात की पड़ताल की जा रही है कि दोनों को हथियार कहां से मिले और उन्हें किस व्यक्ति को सौंपना था। इस मामले में उनकी भूमिका को लेकर अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

5. अंकित राजेश खटक, 18 वर्ष ˉ सोनीपत, हरियाणा

अंकित 12वीं तक पढ़ा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उस पर मुख्य आरोपियों के साथ करीब 20 दिनों तक मुंबई में रहने और रेकी करने का आरोप है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने किन जगहों की निगरानी की और क्या उसने गोली चलाने वालों को अभिनेता की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी दी थी। उसकी गिरफ्तारी इस मामले में कथित साजिश और रेकी के पहलू को समझने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। हालांकि, उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के निष्कर्षों से होनी बाकी है।

6. समीर, 20 वर्ष ˉ सोनीपत, हरियाणा

समीर हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, वह मुख्य आरोपियों के संपर्क में था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और दूसरे आरोपियों के साथ उसके संबंधों की पड़ताल कर सकती है। फिलहाल, उसके बारे में विस्तृत भूमिका की पुष्टि करने वाली जानकारी सीमित है। इसलिए उसे गोलीबारी की साजिश में किसी खास जिम्मेदारी से जोड़ने से पहले पुलिस के आधिकारिक बयान का इंतजार करना जरूरी है।

7. जतिन ˉ सोनीपत, हरियाणा

इस मामले में सोनीपत के जतिन की गिरफ्तारी की जानकारी भी सामने आई है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, उसे अंकित और समीर की गिरफ्तारी के बाद पकड़ा गया। हालांकि, जतिन की उम्र, शिक्षा, पेशे और कथित भूमिका को लेकर पर्याप्त पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उसका दूसरे आरोपियों से क्या संपर्क था और क्या वह हथियारों की आपूर्ति, रेकी या किसी अन्य गतिविधि से जुड़ा था।

गोली चलाने वाले तीन आरोपी कौन?

इस मामले में तीन कथित हमलावरों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया गया था। जानकारी के मुताबिक, उनकी पहचान रेहान उर्फ सुक्का, फूल सिंह और रितिक कुर्मी उर्फ रोशन के रूप में हुई है। रेहान और फूल सिंह हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले बताए गए हैं, जबकि रितिक कुर्मी मूल रूप से बिहार के बेगूसराय का निवासी है और मुंबई में रह रहा था। तीनों को मुंबई लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 31 अक्टूबर 2026 तक पुलिस हिरासत में भेजे जाने की खबर है। पुलिस गोलीबारी में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी, वारदात के मकसद और आरोपियों के आपसी संपर्कों की जांच कर रही है। अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, इस मामले में तीन कथित हमलावरों के अलावा हथियार पहुंचाने में मदद करने के आरोप में चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है। अंकित, समीर और जतिन की गिरफ्तारी के साथ आरोपियों की कुल संख्या 10 बताई गई है। पुलिस को यह पता लगाना है कि हथियार कहां से जुटाए गए, उन्हें मुंबई तक कैसे पहुंचाया गया और गोली चलाने वालों को किसने निर्देश दिए। इसके साथ ही रेकी, आरोपियों के बीच संपर्क और कथित साजिश में हर व्यक्ति की भूमिका की जांच की जा रही है। जब तक जांच पूरी नहीं होती, किसी भी आरोपी को दोषी मानना उचित नहीं होगा।

मेलोनी...

सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के अंत तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुखद और डराने वाला है।

उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन में कई युवा चीजें तोड़ने, चोरी करने और इन घटनाओं के वीडियो बनाने के लिए आए थे। मेलोनी के मुताबिक, इस समस्या से गंभीरता से निपटना जरूरी है, ताकि हिंसा के वीडियो देखकर दूसरे युवा भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए प्रेरित न हों।

चेहरा ढकने और चोट पहुंचाने पर बढ़ेगी सजा

नए नियमों के तहत प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल होने को अलग अपराध बनाया गया है। यदि कोई आरोपी चेहरा ढककर हिंसा करता है या उसकी वजह से किसी को चोट पहुंचती है, तो उसकी सजा बढ़ाई जाएगी। प्रदर्शन के दौरान दुकानों या अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों को उसकी भरपाई भी करनी होगी।

हालांकि, सरकार के इस आदेश को स्थायी कानून बनाने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। संसद को 60 दिनों के भीतर इसे कानून में बदलना होगा।नए नियमों के तहत 14 साल से अधिक उम्र के बच्चों को सामान्य तौर पर अपने काम के परिणामों को समझने में सक्षम माना जाएगा। यदि कोई यह साबित करना चाहता है कि बच्चा अपने काम को समझने में सक्षम नहीं था, तो उसे इसके सबूत देने होंगे।

अब तक यह फैसला न्यायाधीश करते थे कि कोई नाबालिग अपने काम के सही-गलत होने और उसके परिणामों को समझ सकता है या नहीं। नए नियमों से इस प्रक्रिया में बदलाव होगा।

एपस्टीन....

हरदीप सिंह पुरी की तस्वीर जारी किए जाने को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, रुबियो मुंबई पहुंचे। अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन और पुरी की तस्वीर जारी की। भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ताओं से पूछना चाहता हूं कि आपके हिसाब से ये किस देश-विरोधी गद्दार को ब्लैकमेल कर रहे हैं?

नवंबर 2025 में पहली बार सार्वजनिक चर्चा में आया नाम

हरदीप सिंह पुरी और जेफ्री एपस्टीन के संपर्क का मामला नवंबर 2025 में सार्वजनिक चर्चा में आया था। उस समय अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति की ओर से जारी एक ईमेल में दोनों के बीच बातचीत का उल्लेख किया गया था। इसके बाद 30 जनवरी को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए। इनमें जून 2014 से जून 2017 के बीच के ईमेल भी शामिल थे।

ईमेल के मुताबिक, पुरी 4 फरवरी 2015, 6 जनवरी 2016 और 19 मई 2017 को न्यूयॉर्क में एपस्टीन के घर गए थे। ये मुलाकातें उस समय हुई थीं, जब एपस्टीन का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद था। उसे 2008 में यौन अपराध के मामले में दोषी ठहराया गया था।

ईमेल में एक्जॉटिक आइलैंड का जिक्र

एपस्टीन और पुरी के बीच हुई ईमेल बातचीत में उसके द्वीप का भी उल्लेख किया गया था। एक ईमेल में पुरी ने एपस्टीन के ङ्गएक्जॉटिक आइलैंडफ यानी अनोखे द्वीप का जिक्र करते हुए ङ्गहैव फनफ लिखा था, जिसका अर्थ है मौज करना। बाद में पुरी ने सफाई दी थी कि ङ्गहैव फनफ कहना उनके बोलने का सामान्य तरीका है। ईमेल में लिखा था, प्रिय जेफ, त्योहारों की शुभकामनाएं। जब आप अपने द्वीप से वापस आएं, तो मुझे जरूर बताइएगा। मैं आपसे बातचीत करने के लिए मिलना चाहूंगा। साथ ही, भारत में रुचि जगाने के लिए आपको कुछ किताबें भी देना चाहूंगा।

पुरी ने आरोपों को बताया था झूठा

इस साल फरवरी में हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया था। पुरी ने बताया था कि वे संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत का पद छोड़ने के बाद और 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से पहले एपस्टीन से मिले थे। उन्होंने इन मुलाकातों को पूरी तरह पेशेवर बताया था और कहा था कि एपस्टीन के खिलाफ लगे आपराधिक आर-ोपों से उनका कोई संबंध नहीं था।

फरवरी में एक साक्षात्कार के दौरान पुरी ने कहा था कि वे अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान (आईपीआई) से जुड़े प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में एपस्टीन से मिले थे। उन्होंने कहा था कि सार्वजनिक जीवन में वे कई तरह के लोगों से मिलते हैं, जिनमें कुछ का आपराधिक रिकॉर्ड भी हो सकता है। पुरी के मुताबिक, आईपीआई में उनके वरिष्ठ टेर्जे रोड-लार्सन एपस्टीन को जानते थे। पुरी ने यह भी कहा था कि पहली मुलाकात के दौरान उन्हें एपस्टीन के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया था, हमने उनके बारे में गूगल पर सर्च किया। फिर हमने आपस में भी चर्चा की कि हमें उनसे मिलना चाहिए या नहीं?

करोड़पति फाइनेंसर था एपस्टीन

जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था, जिसके कई बड़े नेताओं और मशहूर हस्तियों से संबंध थे। वर्ष 2005 में उस पर एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था। वर्ष 2008 में उसे नाबालिग से यौन संबंध बनाने के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया और 13 महीने की जेल हुई।

वर्ष 2019 में उसे यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार किया गया, लेकिन मुकदमे की सुनवाई से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी सहयोगी घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में एपस्टीन के यौन शोषण और तस्करी के अपराधों में मदद करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह 20 साल की सजा काट रही है।

मौत ....

स्थित दुर्गा मंदिर परिसर का है। मृतका की पहचान वार्ड नंबर-4 निवासी वीरेंद्र यादव की पत्नी सचिता देवी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, सचिता देवी ने शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से ही मंदिर परिसर में छाती पर कलश स्थापित कर नौ दिनों तक अखंड साधना करने का संकल्प लिया था। नौ दिनों की पूजा पूरी होने के बाद वह मंगलवार को अपने घर लौटी थीं।

परिजनों ने बताया कि मंगलवार रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर बाद उनकी स्थिति सामान्य भी हो गई, लेकिन बुधवार सुबह उन्हें फिर सीने में तेज दर्द होने लगा। इसके बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर सुनते ही परिजन फूट-फूटकर रोने लगे।

डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी समस्या की आशंका

ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. उमेश कुमार मंडल ने बताया कि महिला को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। प्रारंभिक तौर पर शरीर में पानी की कमी और हृदय संबंधी समस्या मौत की वजह हो सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

शरीर पर कलश स्थापना और जौ उगाने की परंपरा

इस शारदीय नवरात्रि में शरीर पर कलश स्थापित कर देवी की आराधना करने के कई मामले सामने आए थे। बिहार के खगड़िया जिले के आदावरी गांव में नीरज कुमार ने भी नवरात्रि के पहले दिन अपनी छाती पर कलश स्थापित किया था। उन्होंने माता दुर्गा की विशेष आराधना करते हुए अगले पांच वर्षों तक इसी तरह छाती पर कलश रखकर नवरात्रि में पूजा करने का संकल्प लिया था।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के मऊरानीपुर क्षेत्र के बुखारा गांव स्थित गौरैया माता मंदिर में जानकी देवी ने अपने शरीर पर जौ उगाए थे। उन्होंने बताया था कि वह माता रानी के प्रति श्रद्धा रखती हैं और सभी लोगों के कल्याण की कामना करती हैं। गांव और क्षेत्र के लोगों की खुशहाली के लिए उन्होंने अपने तन पर जौ बोने का संकल्प लिया था। इस दौरान नौ दिनों तक मंदिर में उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ आती रही। मंदिर परिसर में पूजा-पाठ और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए गए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 22 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्र डांडिया का भव्य समापन

माता रानी की महाआरती के साथ नौ दिवसीय उत्सव संपन्न, मानव सेवा के लिए एक करोड़ रुपये का अनुदान

हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, द ग्रेट खली और अभिनेत्री पायल राजपूत की मौजूदगी ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का नौ दिवसीय अग्र डांडिया उत्सव 2026 भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। हजारों लोगों के हाथों में प्रज्वलित रोशनी, कृत्रिम दीपों और मोबाइल की रोशनी के बीच माता रानी की सामूहिक महाआरती की गई। इस अवसर पर पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। उत्सव के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपरा, प्रतिभा और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

जयंती उत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं पुरुषों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में डांडिया, गरबा, संगीत, मनोरंजन और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्वश्रेष्ठ डांडिया पोशाक, सर्वश्रेष्ठ डांडिया खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ गरबा खिलाड़ी, लगातार डांडिया एवं गरबा खेलने वाले खिलाड़ी तथा फेयरी लाइट और मिर्ची लाइट प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में देव, सात्विक, कशिश, शिप्रा, ओजस, तिथि, जतिन, सेव्या, ओम्यसा, पूजा, अयांशी, काजल, अर्पित, विशाल, पूर्वा, मोहित, सिम्पल, प्रदीप, महक, ज्योति, माया अग्रवाल, तुलसी, दिवेश, मेधास्वी, प्रिया, प्रीयस, दीपेश, मितेश, वर्षा, रोहित, विराज, हेतल, तृप्ति, तनवी, प्राची, गुंजन, दीरा, विजय, शांता, मीनाक्षी, पूर्वी, परी, उदय, सैम एवं कार्तिक शामिल रहे।

लगातार डांडिया एवं गरबा खेलने की प्रतियोगिता में चिराग अग्रवाल विजेता रहे।

छह विशेष खिताबों के विजेता

भव्य समापन समारोह का विशेष आकर्षण छह खिताबों के विजेता रहे। किंग का खिताब विष्णु अग्रवाल, क्वीन का खिताब ज्योति अग्रवाल, प्रिंस का खिताब नितिन अग्रवाल, प्रिंसेस का खिताब मुस्कान अग्रवाल, एंजल का खिताब याज अग्रवाल और फेयरी का खिताब इवान्सी अग्रवाल ने जीता। सभी विजेताओं को सैश (सम्मान पट्टी) एवं मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया।

द ग्रेट खली और पायल राजपूत की मौजूदगी

समारोह में प्रसिद्ध पहलवान द ग्रेट खली, टॉलीवुड अभिनेत्री पायल राजपूत तथा अन्य कलाकारों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। सेलिब्रिटी मेहमानों के साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम में मनोरंजन का अलग ही रंग भर दिया।

प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में बीना मेहता, राम वल्लभ जोशी एवं रीना अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मानव सेवा के लिए एक करोड़ का अनुदान

क्लासिक 3 कन्वेंशन में आयोजित सामूहिक महाआरती के तुरंत बाद ङ्गमानव सेवा माधव सेवाफके अंतर्गत ऑटिज्म के क्षेत्र में सहायता के लिए समाज की ओर से पूर्व घोषित एक करोड़ रुपये की अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया।

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ और सचिव डॉ. दिलीप पंसारी को चेक सौंपा। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने मानव सेवा के क्षेत्र में इस महत्वपूर्ण अनुदान के लिए अग्रवाल समाज के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोजकों ने जताया आभार

समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन और नौ दिवसीय डांडिया उत्सव के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके) ने आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सभी प्रायोजकों, शाखाओं, सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों, कलाकारों, मेहमानों, डांडिया में भाग लेने वालों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज के पदाधिकारियों की रही सक्रिय भूमिका

कुल एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से युक्त इस नौ दिवसीय भव्य आयोजन में हजारों लोगों ने भाग लिया। सभी के सहयोग से ङ्गअग्र डांडिया उत्सव 2026फ यादगार एवं सफल आयोजन बना।भव्य समापन समारोह के अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह सचिव प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल, डांडिया आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके), संयोजक प्रवीण अग्रवाल तथा सह संयोजक हर्ष सोन्थालिया, प्रीति अग्रवाल, डॉ. स्वाति गोयल और अलका मिंडा उपस्थित रहे।नौ दिवसीय डांडिया उत्सव में सदैव सक्रिय भूमिका निभाने वालों में राजेश गोयल, राजेश नरेडी, विनोद सोन्थालिया, रितेश अग्रवाल और विकास अग्रवाल सहित विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, सदस्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे। इन सभी की सहभागिता से उत्सव का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

राम केवल नाम नहीं, विश्वास है : पंकज अग्रवाल

एकता और सत्यनिष्ठा के साथ देश की प्रगति के लिए समर्पित होकर कार्य करें : न्यायमूर्ति सूरेपल्ली नंदा

हिंदू संरक्षण समिति का 49वां रावण दहन समारोह संपन्न, हजारों नगरवासियों की उपस्थिति में हुआ रावण दहन

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू संरक्षण समिति भाग्यनगर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी महोत्सव के अवसर पर 49वें रावण दहन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भाग्यनगर के पुराने शहर में स्थित विजय मैदान, कुली कुतुब शाह स्टेडियम, सिटी कॉलेज के पास आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने किया।

49वें रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश माननीय श्रीमती सूरेपल्ली नंदा, मुख्य वक्ता के रूप में मानव उत्थान सेवा समिति के महात्मा श्री मुनीषा नंद जी महाराज, विशेष अतिथि डॉ. सूरेपल्ली प्रशांत एवं नरेंद्र कुमार तथा कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने मां भारती, आदिशक्ति मां जगदंबा तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचंद्र जी की पूजा-अर्चना की। दीप प्रज्वलन, भारतीय परंपराओं के अनुसार शस्त्र पूजा तथा धर्मध्वज पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का परिचय कराते हुए स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महात्मा श्री मुनीषा नंद जी महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचंद्र जी के जीवन चरित्र पर उदाहरणों सहित प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से भगवान श्रीराम के पदचिह्नों पर चलने और अपने भीतर के राम को पहचानने का आह्वान किया।

विशेष अतिथि डॉ. सूरेपल्ली प्रशांत ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए दशहरे के पर्व से प्रेरणा लेने और बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मेघा रानी अग्रवाल ने दशहरा पर्व के अवसर पर रावण दहन के साथ शक्ति पूजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश माननीय श्रीमती सूरेपल्ली नंदा ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ सभी नगरवासियों को दशहरा महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रूपों में मनाए जाने वाले दशहरा पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने समाज में समरसता बनाए रखने तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप एकता और अखंडता के साथ देश की प्रगति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश और समाज के हित में सभी को एकजुट होकर सत्यनिष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने संस्था के संस्थापकों को स्मरण करते हुए सभी नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं को 49वें रावण दहन कार्यक्रम और विजयादशमी महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि जनमानस का विश्वास हैं। माता कैकेयी से लेकर माता शबरी तक तथा राजा दशरथ से लेकर भक्त हनुमान तक, सभी के विश्वास का नाम ही श्रीराम है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह संस्था के लिए सौभाग्य की बात है कि संस्थापकों द्वारा लगाया गया हिंदू संरक्षण समिति का पौधा आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। समिति धर्म, परंपरा और संस्कृति के अनुरूप समाज को संगठित, सुरक्षित एवं विकसित करने के लिए निरंतर तत्पर है।

कार्यक्रम का संचालन कुमारी नेहा अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों, अतिथियों, पुलिस अधिकारियों, कुली कुतुब शाह स्टेडियम प्राधिकरण, समिति की कानूनी सलाहकार अधिवक्ता अंजलि अग्रवाल, अन्य कार्यकर्ताओं एवं भाग्यनगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इसके पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों ने भगवान श्रीरामचंद्र जी के जयकारों के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित नगरवासियों की मौजूदगी में रावण के पुतले का दहन किया। इस दौरान आकाश में रंग-बिरंगी आतिशबाजी की गई, जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने आनंद लिया। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

49वें रावण दहन कार्यक्रम एवं विजयादशमी महोत्सव में प्रमुख रूप से राजकमल भट्टड़, अनूप अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, श्रीमती अंजलि अग्रवाल (अधिवक्ता), बृजमोहन अग्रवाल, मृणाल सिंघनोडिया, कुमारी नेहा अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, मनीष शर्मा तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विजयादशमी सीमोल्लंघन समिति का भव्य रावण दहन संपन्न

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरानापुल स्थित गणेश घाट पर विजयादशमी के पावन अवसर पर विजयादशमी सीमोल्लंघन समिति की ओर से मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े इस आयोजन में विजयादशमी का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया।कार्यक्रम में गोशामहल डिवीजन के पूर्व पार्षद एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता श्री जी. मुकेश सिंह विशेष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के व्यापारी प्रकोष्ठ, तेलंगाना प्रदेश के संयुक्त सह-संयोजक श्री भरत चाण्डा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी सहभागिता की। विजयादशमी सीमोल्लंघन समिति की ऐतिहासिक परंपरा वर्ष 1950 से जुड़ी हुई है। इसकी शुरुआत धूलपेट के लोगों ने हिंदू समाज को एकजुट करने, सामाजिक एकता को मजबूत बनाने तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से की थी। पुरानापुल स्थित मूसी नदी के तट पर शुरू हुई यह परंपरा आज भी श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सहभागिता के साथ जारी है।वर्ष 2026 में इस आयोजन ने अपनी 76वीं वर्षगांठ पूरी की। विजयादशमी सीमोल्लंघन समिति एवं नारायण काला चैरिटेबल एंड कल्चरल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम हैदराबाद की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत तथा सामाजिक एकता का प्रतीक बना हुआ है।

यह कार्यक्रम नारायण काला चैरिटेबल एंड कल्चरल ट्रस्ट (पंजीकरण संख्या 1117/BK-IV/2023) के तत्वावधान में आयोजित किया गया। समिति एवं ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और आयोजन को सफल बनाने में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ समाज में आपसी सहयोग, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करना रहा।समिति के पदाधिकारियों में अध्यक्ष श्री टी. जीतेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष श्री मनोज सिंह एवं श्री टी. किशन सिंह, महासचिव श्री वीरेंद्र थौडेकर, कोषाध्यक्ष श्री संदीप सिंह तथा सलाहकार श्री डी. राम सिंह शामिल हैं।समिति के अन्य प्रमुख सदस्यों में श्री अर्सिड राकेश कुमार, श्री प्रशांत (सीग्राम्स, दक्षिण प्रमुख), श्री खेमचंद मित्तल (डिंपल ट्रेडर्स, मोंडा मार्केट), श्री टी. रणवीर सिंह, श्री टी. अजित सिंह, श्री संतोष कुमार, श्री टी. अमन सिंह, श्री टी. आदर्श सिंह, श्री टी. गौतम सिंह तथा श्री टी. रजनीश सिंह (एम.एस.सी.) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त समिति के सदस्य श्री धनंजय सिंह, श्री आर. प्रथम सिंह, श्री टी. राजू बाबू सिंह, श्री अभिनव सिंह, श्री वैभव थौडेकर तथा श्री गणेश थौडेकर के नाम भी समिति के सदस्य परिचय-पत्र में शामिल हैं।

श्री आई माताजी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में सीरवी समाज की ओर से आयोजित नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हवन-यज्ञ की पूर्णाहुति, महाआरती तथा भोजन-प्रसादी का आयोजन किया गया। समाजबंधुओं ने धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मां आई माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर समाज के संरक्षक मांगीलाल काग, प्रथम उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, द्वितीय उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, भुण्डाराम बर्फा, उदाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, चन्द्रप्रकाश बर्फा, कानाराम बर्फा, जयरामलाल परिहार, देवाराम बर्फा, अनाराम काग, मुलाराम पंवार, मोहनलाल काग, चंदनाराम चोयल, राजुराम लचेटा, घेवरराम पंवार, केनाराम मुलेवा, सेसाराम परिहारिया, मोहनलाल गेहलोत, राजेश मुलेवा, पंडित बलराम पाठक सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने सराहा डॉ. वकुलाभरणम का लेखन

चार पुस्तकें स्वीकार कीं, लेखन जारी रखने के लिए किया प्रोत्साहित

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं लेखक डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव के लेखन कार्य की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर लेखन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. राव ने अपनी पत्नी श्रीमती सुधाश्री के साथ बुधवार सुबह 11:20 बजे हैदराबाद स्थित लोक भवन में राज्यपाल से विशेष भेंट की। विजयादशमी के अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को शमी पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दीं। साथ ही शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

इस अवसर पर डॉ. राव ने राज्यपाल को अपनी चार पुस्तकें भेंट कीं। इनमें जीएसटी: सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की ओर,

श्री नरेंद्र मोदी: भारत को विश्वमंच पर स्थापित करने वाले महान नेता, अंत्योदयम नुंडी विकसित भारत (तेलुगु) तथा मोदी वाणी: सेवा संकल्प विकसित भारत शामिल हैं। दस मिनट से अधिक समय तक चली इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने सभी पुस्तकें स्वीकार कीं और उनकी विषयवस्तु पर रुचिपूर्वक चर्चा की। उन्होंने दंपती से आत्मीय बातचीत करते हुए उनके व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन के बारे में भी जानकारी ली।

राज्यपाल ने पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में डॉ. राव की जिम्मेदारियों और उनके कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उनके अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना।

इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री एम. दान किशोर भी उपस्थित थे।

डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि राज्यपाल की आत्मीयता और उनके लेखन कार्य की सराहना से उन्हें आगे भी लेखन जारी रखने की नई प्रेरणा मिली है।

भीतर के राम को जगाएं, रावण को भगाएं : मुनिश्री दीप कुमार

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयादशमी के पावन अवसर पर सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमार जी ठाणा-2 के सान्निध्य में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा विशेष प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुनिश्री दीप कुमार जी ने कहा कि वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि स्वयं पर विजय प्राप्त करने में है।

क्रोध, अहंकार, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसी आंतरिक बुराइयों पर नियंत्रण पाना ही सच्ची वीरता है। उन्होंने संकल्पशक्ति, आत्मविश्वास, लक्ष्य के प्रति निष्ठा और निरंतर प्रयास को सफलता का आधार बताया।

विजयादशमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की रावण पर विजय असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। केवल रावण के पुतले का दहन करना पर्याप्त नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष का दहन करना भी आवश्यक है।

भीतर के राम को जगाएं, रावण को भगाएं का प्रेरक संदेश देते हुए मुनिश्री ने सभी को आत्मशुद्धि, आत्मसंयम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि आंतरिक विजय ही जीवन में स्थायी शांति, संतुलन और सार्थकता प्रदान करती है।

सिखवाल समाज के श्रीराम जी जगदीश प्रसाद तिवारी, खण्डवा वाले के निवास पर नवरात्रि के समापन पर भव्य रूप से माता जी का जागरण सम्पन्न हुआ। जहां सुरसम्राट दिपेश जोशी एंड पार्टी द्वारा माता जी के भजनों की बौछार की, जिसे सुनकर भक्तगण झूम उठे। इस अवसर पर नागला तिवारी परिवार व भक्तगण आदि उपस्थित थे।

रामायण मेले में प्रदर्शनी आयोजित

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्जीबिशन सोसाइटी द्वारा नुमाइश मैदान, नामपल्ली में आयोजित 54वें रामायण मेले में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से प्रदर्शनी काउंटर लगाया गया। संस्थान के संस्थापक एवं संचालक दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के मार्गदर्शन में संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी प्रकल्पों के अंतर्गत निर्मित वस्तुओं को प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए रखा गया। इनमें अंतरक्रांति प्रकल्प के अंतर्गत कारागारों में बंदियों तथा ङ्गअंतर्दृष्टिफ प्रकल्प के अंतर्गत दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों द्वारा संस्थान के सहयोग से तैयार की गई वस्तुएं शामिल थीं।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने सामाजिक उत्थान, आत्मनिर्भरता एवं मानव कल्याण का प्रेरणादायक संदेश दिया। प्रदर्शनी में रखी गई वस्तुओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को प्रस्तुत किया गया।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी जी को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी।

शारदा नगर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में महा नवमी के दिन मंदिर समिति की ओर से दुर्गा माता की पूजा का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर पूजा-अर्चना करते हुए श्री मूर्ति, एन.के. सिंह, हरिप्रसाद, एम. प्रसाद, जी. राजेश्वर राव, आर.के. प्रसाद, विठ्ठलेश्वर शर्मा, पुजारी, प्रसाद वर्धनी, रंजना सिंह, मालती देवी, लक्ष्मी वीरन्ना, लक्ष्मी बाई एवं अन्य भक्तगण उपस्थित हुए।

केबीसीए दुर्गोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडापुर बंगाली सांस्कृतिक संघ (केबीसीए) दुर्गोत्सव 2026 का छह दिवसीय भव्य आयोजन बुधवार को सीसीआरटी, माधापुर में सम्पन्न हुआ। राधे समूह द्वारा प्रस्तुत इस प्रथम संस्करण में लगभग 25,000 लोगों ने भाग लिया।16 से 21 अक्टूबर तक चले इस उत्सव में पारंपरिक दुर्गा पूजा, संगीत, नृत्य, नाटक और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से भक्ति, बंगाली सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक एकता का संगम देखने को मिला।केबीसीए अध्यक्ष अयन देब बर्मन ने कहा, हमारे पहले दुर्गोत्सव का सफल समापन पूरे केबीसीए परिवार के लिए गौरवपूर्ण और यादगार क्षण है। लगभग 25,000 लोगों की भागीदारी समुदाय के उत्साह का प्रमाण है। हम राधे समूह, सदस्य परिवारों, स्वयंसेवकों, कलाकारों और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हैं।महा नवमी पर पारंपरिक पूजा और होमम के साथ राज अकादमी के बच्चों के नृत्य, दुर्बा मजूमदार की मंडली द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर का नृत्य-नाटक ङ्गचित्रांगदाफ तथा वायलिन सिस्टर्स सहित अन्य कलाकारों के कार्यक्रम हुए।उत्सव में निःशुल्क महाभोग, फूड एवं रिटेल स्टॉल, वैलेट पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहीं। केबीसीए ने 200 से अधिक सदस्य परिवारों और 500 व्यक्तिगत सदस्यों के साथ हैदराबाद में बंगाली परंपराओं को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है।

एनबी बाइंडिंग एंड प्रिंटिंग, गौलीगुड़ा में आयोजित आयुध पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास। इस अवसर पर एनबी विघ्नेश, विजय, राजू, उदय एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा कार्यों की सराहना, कर्मचारियों का सम्मान

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित संजीवैया पार्क में दशहरा के पावन अवसर पर मॉर्निंग वॉक सीनियर सिटिज़न्स एसोसिएशन के सदस्यों ने पार्क में सफाई कर्मचारियों एवं सुरक्षा प्रहरियों द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों की अनुमोदना की। जैन रत्न रमेश पी. तातेड सिरोही द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यों ने कर्मचारियों के समर्पण, मेहनत और सेवाभाव की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पी. डी. जाकोटिया, निरंजन गोयल, गोपाल बंग सहित एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने सफाई कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की तथा उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। सदस्यों ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने और लोगों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफाई कर्मचारियों तथा सुरक्षा प्रहरियों की भूमिका सराहनीय है।कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने कमलेश जैन को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, शशिबेन अरविंदजी, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सी.ए.), को उनकी यात्रा के सफल, सुखद एवं मंगलमय होने की कामना करते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

गौलीपुरा में भव्य बतुकम्मा और दशहरा उत्सव

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐतिहासिक श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी देवालय, गौलीपुरा बतुकम्मा में मंगलवार रात को बतुकम्मा और दशहरा उत्सव भव्य पैमाने पर आयोजित किए गए।इस अवसर पर श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी की उत्सव मूर्तियों को मंदिर से पालकी में लाया गया और फूलों से सजे रथ पर रखा गया। इसके बाद निकटवर्ती मैदान तक शोभायात्रा निकाली गई, जहां रावण दहन किया गया। छतरीनाका एसीपी सी.एच. चंद्रशेखर, छतरीनाका इंस्पेक्टर एस. कोटेश्वर राव तथा विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारियों ने मंदिर का दौरा कर दर्शन किए। छतरीनाका पुलिस ने कार्यक्रमों के शांतिपूर्ण संचालन के लिए बंदोबस्त की व्यवस्था की।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शेषाद्री अय्यंगार, उत्सव समिति के महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार, राहुल माने, सुंदर अय्यंगार, अंबादास, आदित्य अय्यंगार, माणिक प्रभु, रवि यादव, कोटेश, अनुपम साई, राकेश तथा अन्य लोगों ने इस अवसर पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। बतुकम्मा उत्सव में बड़ी संख्या में महिला भक्तों ने भाग लिया। मंदिर समिति ने इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ 6 बतुकम्माओं को पुरस्कार प्रदान किए।

श्री नवदुर्गा नवरात्रि उत्सव समिति, इसामिया बाजार परेड ग्राउंड, चादरघाट में बड़ी माताजी की मूर्ति के दर्शन करते हुए मुकेश सोनी, दिनेश यादव, ऑर्गेनाइजर गुलाब, श्रीनिवास एवं बलराज अन्ना।

सेवा का यह सिलसिला थमेगा नहीं : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने दशहरे के पावन अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव ही समाज को एक सूत्र में बांधता है और जरूरतमंदों की सहायता करना मानव जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ सेवा की भावना के साथ निरंतर अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है और यह संकल्प आगे भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ जारी रहेगा। राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि दशहरा केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें अपने जीवन में सद्गुणों को अपनाने, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहने और समाज के हित में कार्य करने की प्रेरणा भी देता है। भगवान श्रीराम के आदर्श हमें सिखाते हैं कि सत्य, मर्यादा, त्याग और कर्तव्य के मार्ग पर चलते हुए मानवता की सेवा करना ही जीवन की सार्थकता है। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, दीपचंद अग्रवाल, अनिल धरशुवाले और लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा के इस पुनीत अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मानवता, सहयोग और समर्पण की भावना को निरंतर मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.